सुविचार

रैदास जन्म के कारणै, होत न कोई नीच।
नर को नीच करि डारि हैं, औछे करम की कीच।।
- संत रविदास

साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech
RNI.NO. MPHIN/2015/76299
संपादक-नागेश नरवरिया

Mother's Basket Kitchen Herbs & Spices Swad jo pahuche dil tak

वर्ष 7, अंक-02 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 18 फरवरी 2022 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 3 रुपये

(जयंती विशेष)

समता, समभाव के प्रर्वतक संत रविदास जी

भोपाल। संत रविदास जी का जन्म ऐसे समय में हुआ था। जब सामाजिक भेद-भाव, असमानता और छुआछूत के आधार पर मानव - मानव में खाई थी। ऐसे समय में महान संत शिरोमणि सतगुरु रविदास एक समाज सुधारक, जन जागरण और अपनी वाणी, भजन, गीत के साथ ही सरल बोलचाल की भाषा में सामाजिक सद्भाव बनाने के लिए अवतरण लिया था। जिनका जन्म दिन माघी पूणिमा को हुआ था। जन्म तिथि को लेकर एक दोहा प्रचलित है - चौदह सौ तेंतीस की, माघ सुदी पन्द्रस। दुखियों के कल्याण हित, प्रगट भये रैदास।। इस प्रकार उनका जन्म 14 33 ईस्वी में काशी के पास मन्डूरगंढ नामक स्थान पर हुआ था। पिता का नाम राऊजी माता जी का नाम कर्मादेवी था। परिवारिक पेशा लोग उन्हें मोची का काम करना बताते हैं। जो कि गलत है। मेहनत मसकत करने वाले परिजन थे। सादा जीवन आदर्श परिवार के रूप में था। संत रविदास पूर्व से ही ज्ञान बान और होनहार थे। जन्म से ही भारत के प्रकांड विद्वानों से ज्ञान अर्जित कर स्वयं अध्ययन और शोध परक व तथ्यों से महाज्ञानी हुए। जो आगे चलकर संत समाज में शिरोमणि सतगुरु रविदास के नाम से जाने गये। संत रविदास ने बाल अवस्था से युवा अवस्था तक गुरु परम्परा नुसार अपार ज्ञान की प्राप्ति कर ली थी। उन्होंने बालकाल से अंत तक समाजोत्थन, पद यात्राएं कर जन मानस में सौहार्द, प्रेम, भाईचारा का जीवन भर जनजागृति में लगे रहे। वह गृहस्थ संत थे, उनकी पत्नी का नाम लोनादेवी और पुत्र का नाम विजयदास था। वह भारत के जन मानस में एकता और मानव एक समान है। यहां कोई नीच न कोई ऊंच है के संदेश देकर अपनी कलम और रचना - पद वाणी से महान संस्कृति और सामाजिक उत्थान किया है। देश भ्रमण कर अनेक लोगों को सत्संग, भजन और प्रवचन दिये। जिससे गरीब व अमीर उनके भाव आदर्शों से प्रभावित होकर राजपाट तक त्याग कर उनके शिष्य बने। तथा देश के कोने-कोने में उनके प्रवचन हाल /धर्मशाला बनवाई। जिसमें वह लोगों को प्रवचन दिया करते थे। उन्होंने बिल्कुल भी मोची या चर्मकारी का काम नही किया है। कुछ नासमझ लेखकों और कवियों ने अपने को शीर्ष स्थापित करने के लिए जूता बनाने काम में जोड़ा गया है। यदि वह उस कार्य को करते तो देश भ्रमण कर सामाजिक जन जागरण का काम नहीं कर पाते। वह तो भारत भूमि के संत शिरोमणि की उपाधि से सम्मानित है। उन्हें मोची का काम बताना बेईमानी और ओझी मानसिकता है। संत शिरोमणि सतगुरु रविदास महाराज जी एक कवि थे। वह निर्गुण उपासना के प्रखर संत के रूप में सम्पूर्ण विश्व को प्रभावित किया। तथा भारतीय समाज में व्याप्त विघटन, जातिगत संकीर्णता, ऊंच नीच, घृणा. वैमनस्य के विरुद्ध उन्होंने अपनी कालमयी विचारधारा से सामाजिक क्रांति पैदा की व सम्पूर्ण समाज, धर्म, सम्प्रदाय को समानता के सूत्रधार के आधार पर अमन व शांति का संदेश दिया। उन्होंने ऊंची जाति के वर्णाभिमानी कट्टरपंथी को फटकारते हुए कहा कि -

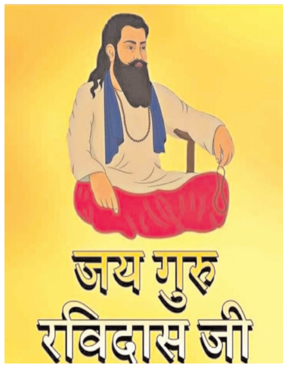

विदास जन्म के कारणे होत न कोई नींच।
नर को नींच करी डारि है औछे कर्म को नींच।।
और साफ तौर पर समाज को जगाते हुए कहा कि -
रविदास ब्राम्हण मत पूजिये जो होबे गुणहीन।
पूजिये चरण चण्डाल के जो होबे गुण प्रवीन।।

लेखक-मूलचन्द मेधोनिया भोपाल
(संत रविदास विशिष्ट सेवा सम्मान प्राप्त)

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के सदस्य की एफआईआर से पहले पुलिस अधिकारी अन्वेषण कर सकता है या नहीं जानिए/SC-ST Act,1989.....।

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति(अत्याचार निवारण) अधिनियम में धारा 3 के अंतर्गत वे सारे अपराधों का वर्णन संज्ञेय अपराध में किया है जो भारतीय भारतीय दंड संहिता की धाराओ में छोटे-मोटे भी होंगे। अगर कोई थाने का थाना प्रभारी इन अपराधों की प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज नहीं करता है तो वह कर्तव्य उपेक्षा अधिनियम की धारा 4 के अंतर्गत दोषी होगा। बहुत से थानो में एट्रोसिटी एक्ट में एफआईआर लिखने से पहले थाना प्रभारी पीड़ित व्यक्ति को जांच का हवाला देकर एफआईआर दर्ज नहीं करते हैं,पुलिस थाना अधिकारी द्वारा किया गया ऐसा कृत्य वैधानिक हैं या अवैधानिक जानते हैं।

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम,1989 की धारा 18(क) की परिभाषा: कोई अनुसूचित जाति एवं जनजाति का सदस्य किसी ऐसे अपराध जो धारा 3(1) एवं 3(2) में वर्णित उपधाराओं के अपराध की शिकायत लेकर थाने जाता है तब उपर्युक्त धारा 18(क) के अंतर्गत बिना अन्वेषण एवं बिना प्रमाण(अप्रूवल) के एफआईआर दर्ज करेगा एवं तुरंत आरोपी को गिरफ्तार करेगा।

नोट - अधिनियम की धारा 3(1) एवं धारा 3(2) के अंतर्गत गिरफ्तार व्यक्ति को किसी भी प्रकार की अग्रिम जमानत नहीं दी जाएगी- अधिनियम की धारा 18?।

एफआईआर दर्ज होने के बाद अन्वेषण अधिकारी कौन होगा जानिए- थाना प्रभारी का कर्तव्य है कि वह बिना जाँच किए एट्रोसिटी एक्ट में एफआईआर दर्ज करे एवं इसकी रिपोर्ट तुरंत जिले के पुलिस अधीक्षक को दे। राज्य सरकार या जिला पुलिस अधीक्षक किसी ऐसे अधिकारी को जांच या अन्वेषण काआदेश देगा जो उप पुलिस अधीक्षक(DSP) रैंक से नीचे की पंक्ति का न हो-?अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति(अत्याचार निवारण)नियम,1995 का नियम क्रमांक 07।

अतः उपर्युक्त धारा से स्पष्ट हो जाता है की अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति एक्ट,1989 के अपराध के आरोप की एफआईआर से पहले जाँच अन्वेषण का अधिकार नहीं होता है।

- लेखक बी.आर. अहिरवार
(पत्रकार एवं लॉ छात्र होशंगाबाद)
मो.-9827737665

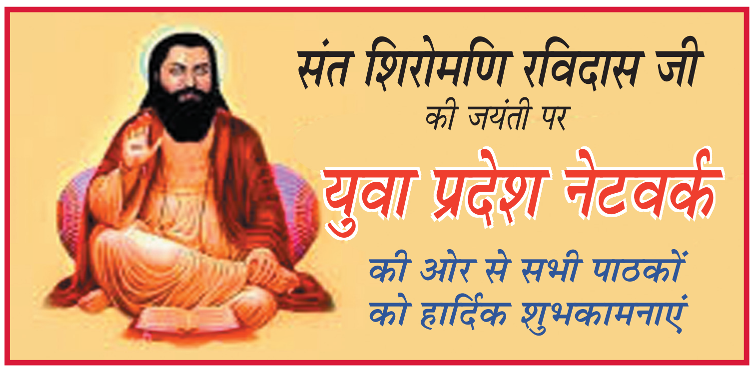

क्या है गलत तरीके से रूकावट एवं गलत तरीके से पाबंदी लगाने का अपराध जानिए/IPC

अक्सर हम देखते हैं कि कोई व्यक्ति गलत तरीके से सड़क या रास्ते में वाहन खड़ा कर देता है जिससे हमे निकलने में बाधा उत्पन्न होती है यह सदोष अवरोध होगा अर्थात गलत तरीके से रुकावट उत्पन्न करना। अगर वही वाहन सड़क और कुछ समय के लिए खड़ा रहे जिससे हम किसी कार्य के लिए लेट हो जाए तब यह सदोष परिरोध होगा अर्थात गलत तरीके से हम पर पाबंदी लगा देना जानते हैं भारतीय दण्ड संहिता में ऐसे व्यक्ति को क्या सजा का प्रावधान होता है।

भारतीय दण्ड संहिता,1860 की धारा 339 के अनुसार- अगर कोई व्यक्ति किसी अधिकार प्राप्त सार्वजनिक सड़क, भूमि, आदि पर रूकावट उत्पन्न करता है तब वह उपर्युक्त धारा 339 के अंतर्गत अपराध करेगा।

दण्ड का प्रावधान - धारा 441 के अनुसार यह संज्ञेय एवं जमानती अपराध अपराध होगा एवं इसके लिए अधिकतम एक मास की कारावास या जुर्माना या दोनो से दण्डित किया जा सकता है।

भारतीय दण्ड संहिता,1860 की धारा 340 के अनुसार- अगर कोई व्यक्ति किसी के मार्ग में कुछ सीमा तक रोक उत्पन्न करता है जिसे वह अपने कार्य में लेट हो जाए तब ऐसे व्यक्ति का अपराध उपर्युक्त धारा 340 के अंतर्गत होगा।

दण्ड का प्रावधान - संहिता की धारा 342 के अनुसार यह अपराध संज्ञेय एवं जमानतीय होगा, इसकी सुनवाई कोई भी न्यागिक मजिस्ट्रेट कर सकता है। इस अपराध के लिए अधिकतम एक वर्ष की कारावास या जुर्माना या दोनो से दण्डित किया जा सकता है। अर्थात हम कह सकते हैं कि किसी भी व्यक्ति के मार्ग में रुकावट उत्पन्न करना या उस रुकावट से किसी पर पाबंदी लगाना एक गंभीर अपराध होता है, इसकी शिकायत आप किसी भी नजदीक थाने में जाकर उपर्युक्त धारा के अनुसार कर सकते हैं।

- लेखिका श्रीमती ज्योति सिंह चौहान
(महिला सामाजिक कार्यकर्ता उत्तर प्रदेश अलीगढ़)

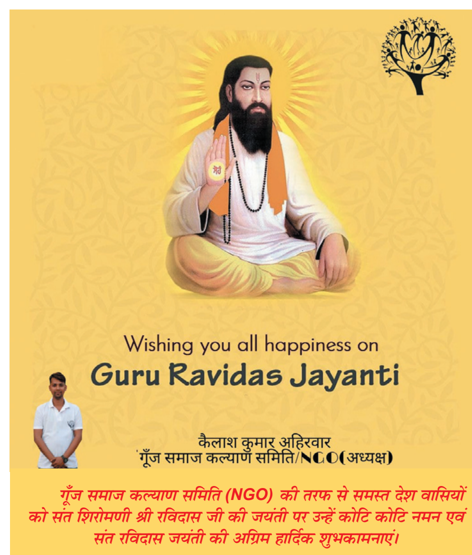

गूँज समाज कल्याण समिति (NGO) की तरफ से समस्त देश वासियों को संत शिरोमणी श्री रविदास जी की जयंती पर उन्हें कोटि कोटि नमन एवं संत रविदास जयंती की अग्रिम हार्दिक शुभकामनाएं।

■ ग्राम किरगी कला तहसील उदयपुरा जिला रायसेन में

संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की 645 वी जयंती का भव्य आयोजन

युवा प्रदेश नेटवर्क

किरगी कला/रायसेन। 17 फरवरी 2022 को ग्राम किरगी कला तहसील उदयपुरा जिला रायसेन में संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की 645 वी जयंती का आयोजन ग्रामीणो द्वारा वडे हर्ष उल्लास से मनाई गयी जिसमें मुख्य वक्ता के रुप में समण संघ 2 प्रवक्ता आदरणीय रमन वामने जी रहे व कार्यक्रम में सामाजिक जन प्रतिनिधि व वडी संख्या में महिलाओं,सामाजिक गण मान्य जनो ने भाग लिया श्री रमन वामने जी संत शिरोमणि रविदास जी के संघर्ष मय जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें संत महापुरुषो के वताएं हुए मार्ग पर चलना है हमारे वच्चो को शिक्षित वनाना है जयंती कार्य क्रम मे संजीव जी नरवरिया, वेनी प्रसाद,धनसिंह, अहिरवार गोपाल अहिरवार,ग्यरसी प्रसाद अहिरवार, ढोल सिंह अहिरवार व समिति के सदस्यों। प्रमोद कुमार महोबिया अध्यक्ष अहिरवार समाज संघ एवं अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन ग्राम किरगी कला प्रीतम महोबिया ग्राम करेगी कला के अहिरवार समाज संघ के अध्यक्ष विनोद महोबिया सुल्तान महोबिया मोहन महोबिया वीरेंद्र महोबिया थम्मन महोबिया सुरेंद्र महोबिया हलकोरी नरवरिया हेमंत रोरिया सोनू गजराज महोबिया आदि सामाजिक लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी तथा अंत जयंती कार्य क्रम पधारे सभी गणमान्य जनो आभार युवा नेता प्रमोद महोविया द्वारा किया गया।

संत शिरोमणि रविदास जयंती पर हथावास चौराहा पिपरिया में भव्य आयोजन

युवा प्रदेश नेटवर्क

पिपरिया/आर.मांडले । माननीय मंत्री श्री प्रदीप अहिरवार जी नगर आगमन पर भव्य स्वागत हथावास चौराहा पिपरिया में हुआ,इसके पश्चात संत शिरोमणि रविदास जयंती का आयोजन माननीय योगेश अहिरवार जी के घर पर संत शिरोमणि महाराज की जयंती में शामिल होकर पूजा अर्चना की तत्पश्चात हथावास भगवान संत शिरोमणि रविदास जी की रैली में शामिल होकर पूजा अर्चना करते हुए मूर्ति स्थापना हथवास मैं संत शिरोमणि रविदास जी की मूर्ति स्थापना कराते हुए माल्यार्पण की ओर संत शिरोमणि रविदास जी एवं सामाजिक संत श्री शिवदयाल प्रसाद जी का आशीर्वाद लेते हुए माननीय मंत्री जी श्री रमेश पटेल जी ग्राम बोड़ानाठाकुर के घर पहुंच कर उनके पिताजी की पुण्यतिथि में शामिल हुए इसके पश्चात श्री मंत्री जी मटकुली मेहगांव में संत शिरोमणि रविदास जी जयंती में शामिल होकर अपने जीवन को धन बनाते हुए भोपाल रवाना हुए उपस्थित सदस्य कांग्रेश के वरिष्ठ कार्यकर्ता सामाजिक नागरिकों ने मिलकर मंत्री जी के साथ जयंती में शामिल हुए उपस्थित सदस्य साकेत सोनी जी ,दिलीप पालीवाल जी ,चिंटू अहिरवार, भागचंद बरगले जी ,मनमोहन अहिरवार, योगेश अहिरवार, अमन सिंह, रामस्वरूप मांडले ,सुनील ठाकुर गोविंद अहिरवार, कल्लू भाई, कमल अहिरवार ,पति राम अहिरवार ,गेंदालाल अहिरवार, खुशी लाल अहिरवार, कल्लू भाई लांजी ,बी डी पटेल, राजू ठेकेदार करोड़ी लाल गोलियां सैकड़ों की संख्या में सामाजिक और कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने मिलकर मंत्री जी के साथ कार्यक्रम को सफल बनाया।

अहिरवार जिला अध्यक्ष डी आर पी शिक्षक संघ पुनः मनोनीत

राजकुमार गोतम संस्थापक दलित रक्षा प्रहरी ने हरिसिंह बौद्ध राष्ट्रीय महासचिव की सहमति से नारायण अहिरवार अंशु कवि को डी आर पी शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष नर्मदापुरम मनोनीत किया। अंशु कवि जिला अध्यक्ष मनोनीत होने पर शिक्षक साथीयों ने बधाई दी एवं हर्ष व्यक्त किया। बधाई कर्ता रविन्द्र राजोरिया, शिक्षक संजय चौधरी, श्रीमती मीना गोलियां,महेश कुमार अहिरवार, एडवोकेट गुमानसिंह माडले,राजेश अहिरवार नर्मदापुरमप्रदीप चक्रधर गिरधारी लाल धुरवे, राकेश तिलथिया, आशिक खान, माखन नगर,के , के,उइके,मनोज आरसे, काशी राम चोधरी, पतिराम अहिरवार, धरमू प्रसाद अहिरवार, संजय अहिरवार,सोहागपुरसुरेश मेहरा,असलम मंसूरी, शिक्षक कमलसिंह,कमलेश गोहिया, पिपरिया, शिक्षक राधेलाल अहिरवार, धर्मेन्द्र चौधरी कलीराम मांडले बनखेड़ी अनेक मित्रों ने बधाई दी।

जनपद पंचायत उदयपुरा द्वारा अम्बेडकर भवन ब्रम्हा नगर उदयपुरा मे

संत रविदास जी की जयंती 645 कार्यक्रम का आयोजन किया गया

उदयपुरा/रायसेन। दिनाँक 16/02/2022 को जनपद पंचायत उदयपुरा द्वारा अम्बेडकर भवन ब्रम्हा नगर उदयपुरा मे संत रविदास जी की जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कि समस्त जनप्रतिनिधि, अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे, साथ ही कार्यक्रम मे मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी का उद्बोधन भी प्रसारित किया गया। शिविर में जनपद पंचायत उदयपुरा की प्रशासकीय समिति के प्रधान ठाकुर श्री वीरेंद्र सिंह चौहान, नगर परिषद उदयपुरा के पूर्व अध्यक्ष श्री केशव सिंह पटेल भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता श्री बृजगोपाल लोया, श्री कुलदीप विश्नोई श्री कमलेश परमार,श्री आशीष खटीक,श्री आशीष रजक,श्री दिलीप चौकसे, श्री हरिसेवक केतोघानिया, श्री हल्के मामा,श्री भावसिंह नरवरिया,श्री विजय सिंह नरवरिया,श्री चंदन सिंह पारमल, श्री मन्नू लाल अहिरवार,श्री मांगी लाल सिंह,श्री दिनेश नरवरिया के साथ साथ नगर के सभी गणमान्य नागरिक एवं जनप्रतिनिधि तथा जनपद पंचायत उदयपुरा की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती बंदू सूर्यवंशी एवं तहसीलदार श्री शत्रुघ्न चौहान श्री पवन दुबे ष्द्धश नगर पंचायत के साथ साथ अन्य अधिकारी कर्मचारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत ठाकुर श्री वीरेंद्र सिंह चौहान एवं अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर

की गयी, जिसके बाद माननीय मुख्यमंत्री जी का उद्बोधन प्रसारित किया गया, तत्पश्चात अनुसूचित जाति के उन विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने परीक्षाओं मे उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए शासन की विभिन्न योजनाओं मे लाभान्वित अनुसूचित जाति के हितग्राहियों को हितलाभ एवं स्वीकृति आदेश वितरित किये गये। कार्यक्रम में मंच संचालन श्री रमन वामने द्वारा किया गया, जिसके बाद कार्यक्रम का समापन भजन मंडली द्वारा प्रस्तुत संगीत कार्यक्रम से हुआ ,जिसमें संत रविदास जी के विभिन्न उपदेशों का भी वाचन किया गया।

संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज वी जन्म जयंती पर बड़ी धूमधाम से चल समारोह निकाला

देवरी/रायसेन। भीम आर्मी एवं अहिरवार समाज संघ देवरी के द्वारा संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज वी जन्म जयंती पर कलश यात्रा एवं शोभायात्रा अंबेडकर भवन से शहर के मुख्य चौराहे से गुजरते हुए बस स्टैंड देवरी तक बड़ी धूमधाम से चल समारोह निकाला गया जिसमें सभी अहिरवार समाज संघ एवं भीम आर्मी के साथी उपस्थित रहे। भीम आर्मी मुख्य प्रभारीर एवं भीम आर्मी के सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे अहिरवार समाज संघ से श्रीमान गोटीराम बघेल जी बालकिशन बघेल कमलेश बघेल जी बालाराम अहिरवार जी रघुवीर बघेल जी हरिराम बघेल जी, राधेलाल अहिरवार जी ,महेश बघेल जी रमेश जी बघेल भुजबल बघेल जी, राकेश

गणेश बघेल, अंबेडकर. संदीप बघेल तहसील अध्यक्ष, जमील भाई पठान तहसील उपाध्यक्ष माइनॉरिटी, मनजीत बघेल अंबेडकर ,जितेंद्र बघेल ,बालमुकंद पप्पू परिहार मनोज अहिरवार अहिरवार ,कैलाश अहिरवार ,करण अहिरवार, बलवंत अहिरवार, दीपक अहिरवार, आशीष बघेल ,शिवराम बघेल जी ,नेतराम कटियार जी ,ललित बघेल जी शिवराम देहलवार जी, द्वारका प्रसाद बघेल जी विजय बघेल नाकेदार साहब हाकम सिंह जी शिक्षक गोविंद सिंह अहिरवार शिक्षक बटन सिंह शिक्षक जी समस्त अहिरवार समाज संघ देवरी एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

समाज को तोड़ने वाली विचारधारा से हम सबको एकजुट होकर लड़ना हैः अहिरवार

नर्मदापुरम। ग्राम रायपुर में संत शिरोमणि रविदास महाराज की जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई। इस दौरान दो दिवसीय जस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त प्रदीप अहिरवार मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि संत रविदास जी सामाजिक सद्भाव के प्रतीक रहे। समाज को तोड़ने वाली विचारधारा से हम सबको एकजुट होकर लड़ना है, तभी देश में संवैधानिक मूल्यों की पुनर्स्थापना हो पाएगी। कार्यक्रम में पूर्व जिला पंचायत सदस्य चन्द्रगोपाल मलैया ने कहा कि रविदास जी का जीवन प्रेम, सौहाद्र और आपसी भाईचारे की मिसाल है। प्रदेश प्रवक्ता शिवराज चंद्रोल ने कहा कि हमारी संस्कृति धर्मनिरपेक्ष और आपसी सौहार्द की रही है। समाज में जो विचारधारा काम कर रही है वो देश को तोड़ने वाली है जिससे एकजुट होकर ही लड़ा जा सकता है । कार्यक्रम में बीसी बर्गले, हरि बर्गले, पूर्व सरपंच शंकर सिह चौहान, ओम प्रकाश अहिरवार, कन्हैया लाल बामने, वीरू लाल अहिरवार, अभय राम चौधरी जी मंचासीन रहे।

दो दिवसीय जस प्रतियोगिता का हुआ समापनः ग्राम रायपुर में आयोजक मनमोहन अहिरवार द्वारा जस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मां वैष्णव जस मंडल सांगाखेडाकला, हरि मंडल ग्राम वरुआ, शंकर मंडल ग्राम पहार खेड़ी एवम रामपुर के कलाकारों ने संत शिरोमणि रविदास जी पर भजन प्रस्तुत किये गए।

संत शिरोमणी श्री रविदास जी की जयंती पर उन्हें कोटि कोटि नमन एवं समस्त देशवासियों को संत रविदास जयंती की अग्रिम हार्दिक शुभकामनाएं।

संत शिरोमणि रविदास जी की शोभायात्रा निकालकर मनाई भव्य रविदास जयंती

भोपाल। जिला की तहसील बैरसिया में पहली बार भव्य संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती समस्त सामाजिक बंधुओं ने मनाई शोभा यात्रा चोपड़ बाजार से लेकर बैरसिया बाजार के मुख्य चौराहे पर से निकलकर बस स्टैंड से होते हुए अंबेडकर पार्क में पहुंची मुख्य चौराहे पर समस्त सामाजिक संगठन बालो ने शोभा यात्रा का भव्य स्वागत किया पुष्पमाला से चौपड़ बाजार में वरिष्ठ समाज सेवी दीपक दुबे जी ने शोभा यात्रा का भव्य स्वागत किया जिसके पश्चात समस्त सामाजिक संगठनों ने शौभा यात्रा का स्वागत किया रविदास जी के गानों पर सामाजिक लोगों ने डांस करते शोभा यात्रा निकालते हुए आनंद लिया समस्त सामाजिक संगठनों समस्त राजनैतिक पार्टी के लोगों ने भाग लिया इस मौके पर उत्सव समिति बैरसिया अध्यक्ष शिवनारायण शोभा यात्रा अध्यक्ष दिनेश बड़ोनिया कोषअधक्ष्य सुरेश सर संरक्षक लेखराम उपाध्यक्ष मोकम सिंह जाटव भगवत अहिरवार लक्ष्मीनारायण अहिरवार आई टी सेल प्रभारी रामबाबू जाटव राजन जाटव समस्त जनप्रतिनिधियों शिवनारायण अहिरवार रामभाई मेहर जयश्री हरिकरण अशोक अहिरवार सुरजीत जाटव राजकुमार अहिरवार महेश जाटव सरपंच हीरालाल जाटव कामता प्रसाद रामदयाल जाटव बृजेश जाटव बाबूलाल सोनगिरी मांगीलाल गजराज अहिरवार राजपाल जाटव लखन गंगवार बंटी जाटव गोलू मेहर रामबाबू जाटव चरण अहिरवार शिवराज अहिरवार धीरज मालवीय अभिषेक मालवीय संतोष मालवीय समस्त सामाजिक गण मौजूद रहे।

निगरानी समिति सदस्यों ने किया वार्ड भ्रमण वार्ड में नालियो में बजबजाती गंदियो बन्द पड़े हेंड पम्प का किया निरीक्षण

कोरिया/मनेन्द्रगढ़। भारतीय जनता पार्टी मनेन्द्रगढ़ द्वारा नगर पालिका क्षेत्र में सक्रिय कार्यकर्ताओ को लेकर निगरानी समिति का गठन किया गया जो निरन्तर प्रत्येक रविवार को तय कार्य योजनानुसार नगर के वार्ड क्रमांक 22 स्थित केवट मोहल्ला का निरीक्षण किया गया तथा समिति द्वारा नगर में एक सजग प्रहरी के रूप में कार्य कर रही है वंही पार्टी द्वारा गठित निगरानी समिति के सदस्यों के द्वारा रविवार को दोपहर 12 बजे वार्ड क्रमांक 22 में पहुंच कर निरीक्षण किया जिसमें समिति द्वारा नगर में एक सजग प्रहरी के रूप में कार्य कर रही है जिसकी चर्चा आम जनों में हो रही है वंही पार्टी द्वारा गठित निगरानी समिति के सदस्य श्रीजे.के. सिंग, संजय गुप्ता, रामचरित दुवेदी, प्रमोद बंसल, अंकुर जैन ,आशीष मजूमदार, अखिलेश मिश्रा, आकाश दुआ,हिमांशु श्रीवास्तव, , रामधुन जैसवाल, नवल शर्मा, मेहरबान श्रीवास्तव, श्रीमती जयाकर,महेश्वरी सिंग,

डॉक्टर रश्मि सोनकरके द्वारा साहू मोहल्ला में निकासी के लिये बनी नाली गंदियो से बजबजा रही तथा मोहल्ले वासियो को शुद्ध पेय जल पीने के लिये हैण्डपम्प लगा हुआ है जिसमे से लाल पानी आ रहा है एवम साहू मोहल्ला से झिरिया जाने के रास्ते ने नगरपालिका द्वारा निर्मित नाली का स्लैब टूट गया है साथ ही नाली में मिट्टी भर जाने के कारण रास्ते ने नाली का गया गंदापानी बह रहा है वंही वार्ड में केवट मोहल्ला मे बने चर्च के पीछे बने मकानों में निवासरत लोगो को पीने के पानी की समस्या है जिससे निवासरत लोग दूर से पानी पीने के लिये लेकर आते है तथा वंही चर्च के पीछे हैंड पम्प खराब होने से पीने के पानी के लिये काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा जिसे त्वरित सुधार कार्य हो जाने से वार्ड वासियो को काफी लाभ मिल सकता है उक्ताशय की जानकारी मण्डल महामंत्री ,अधिवक्ता संजय गुप्ता ने दी।

हाउसिंग बोर्ड ने कोविड प्रभावितों के लिए सम्पत्ति शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च की

भोपाल। मुख्य प्रशासनिक अधिकारी मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधो-संरचना मंडल श्रीमती बिदिशा मुखर्जी ने बताया कि कोविड संक्रमण एवं लॉकडाऊन के कारण हाउसिंग बोर्ड ने सम्पत्ति शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि में 31 मार्च 2022 तक वृद्धि की है। श्रीमती मुखर्जी ने बताया कि अंतिम तिथि में वृद्धि का लाभ केवल ऐसे उपभोक्ताओं को मिल सकेगा जिनकी सम्पत्ति का अपसेट मूल्य 50 लाख रूपये से अधिक न हो और जिनकी सम्पत्ति की ऑफर स्वीकृति 1 मई 2020 के पश्चात जारी की गई हो।

बरेली ग्राम मगरधा में संत रविदास महाराज जी की जयंती समारोह आयोजित

रायसेन। बरेली ग्राम मगरधा में संत रविदास महाराज जी की जयंती समारोह आयोजित किया गया जिसमें समस्त ग्राम निवासी मौजूद रहे। तरबर केतोघानिया ने रविदास महाराज जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुऐ उनके मार्ग पर चलने को कहा कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम सरपंच, सचिव, व सदस्यों ने की। ग्राम सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने सद्भावना समाज कल्याण स्थापित करने की बात कही, कुरीतियों को जड़ से मिटा कर सत्य सोधक समाज की स्थापना हो।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्वामी रामकृष्ण परमहंस की जयंती पर उन्हें किया नमन

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्वामी रामकृष्ण परमहंस की जयंती पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास कार्यालय स्थित सभागार में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। स्वामी रामकृष्ण परमहंस महान संत, आध्यात्मिक गुरु और विचारक थे। उन्होंने सभी धर्मों की एकता पर बल दिया। साधना के फलस्वरूप वे इस निष्कर्ष पर पहुँचे थे कि संसार के सभी धर्म सच्चे हैं और उनमें कोई भिन्नता नहीं है। वे ईश्वर तक पहुँचने के अलग-अलग साधन मात्र हैं। मानवीय मूल्यों के पोषक संत रामकृष्ण परमहंस का जन्म 18 फरवरी 1836 को बंगाल प्रांत स्थित ग्राम कामारपुकुर में हुआ था। स्वामी रामकृष्ण परमहंस ने 16 अगस्त 1886 को देह त्याग दी।

नगरीय निकायों में विजेता स्वच्छ प्रतिष्ठानों को किया गया सम्मानित

भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेंद्र सिंह ने बताया है कि प्रदेश में गणतंत्र दिवस 26 जनवरी से प्रारंभ हुए ÷स्वच्छ प्रतिष्ठान÷ सर्वेक्षण अभियान में सभी वर्गों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया है। सोमवार 14 फरवरी को अभियान के परिणाम जारी कर निगरीय निकायों में स्थित प्रतिष्ठानों में निजी एवं शासकीय कार्यालय, छोटी-बड़ी दुकानें, शो-रूम, अस्पताल, क्लीनिक, होटल, रेस्टोरेंट, स्कूल आदि को उनकी उत्कृष्ट परफार्मेंस के लिये सम्मानित किया गया। नगरीय निकायों में आयोजित गरिमामय सम्मान समारोह में सांसद, विधायक और जन-प्रतिनिधियों ने ÷स्वच्छ प्रतिष्ठान÷ प्रमाण-पत्र वितरित किये। मंत्री श्री सिंह ने बताया है कि स्वच्छ सर्वेक्षण-2022 में सभी शहरों को कचरा मुक्त बनाने और कचरा मुक्त शहरों की स्टार रेटिंग में सभी नगर निगमों को 5-स्टार और अन्य नगरीय निकायों को 3-स्टार दिलाने के लक्ष्य को पूर्ण करने के लिए 15 दिवसीय स्वच्छ प्रतिष्ठान सर्वेक्षण अभियान चलाया गया। प्रदेश के 308 नगरीय निकायों में स्वच्छ प्रतिष्ठान सर्वेक्षण किया गया। इसमें 1827 होटल/ रेस्टोरेंट, 1181 स्वास्थ्य प्रतिष्ठानों, 1823 पाठशाला/स्कूल, 767 हाकर्स जोन, 1458 कार्यालय प्रतिष्ठान और 1159 बाजार प्रतिष्ठानों से प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई थी। इस स्वच्छ प्रतिस्पर्धा में सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रतिष्ठानों को स्वच्छता और कचरा प्रबंधन के लिए प्रोत्साहित करना था। समारोह में विजेता प्रतिष्ठान को निकाय द्वारा सिम्बल ऑफ क्लीनलीनेस सम्मान से नवाजा गया।

जल जीवन मिशन में कार्यान्वयन सहायता एजेंसी (आईएसए) के लिए करीब 45 करोड़ स्वीकृत

13 जिलों के 10 हजार से अधिक ग्रामों के लिए आई.एस.ए. करेगी कार्य

भोपाल। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने जल जीवन मिशन में प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र की जल-प्रदाय योजनाओं के लिए आई.एस.ए. की नियुक्ति के लिए 44 करोड़ 65 लाख रूपये की स्वीकृति जारी की है। मिशन की गाइड लाइन के अनुसार कार्यान्वयन सहायता एजेंसी (आई.एस.ए.) का चयन किया जाता है। यह एजेंसी जल-प्रदाय योजना क्षेत्र में पेयजल और सामुदायिक प्रबंधक, जल गुणवत्ता, वर्षा जल संचयन/पुनर्भरण, जल संसाधन प्रबंधन, क्षमता निर्माण और जागरूकता सृजन, लोक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग और जेंडर तथा जल के लिए अपनी सेवाएँ देगी। प्रदेश की सम्पूर्ण ग्रामीण आबादी को नल कनेक्शन के माध्यम से जल उपलब्ध करवाने के लिए राष्ट्रीय जल जीवन मिशन में जल-प्रदाय योजनाओं के कार्य किए जा रहे हैं। जल जीवन मिशन में प्रदेश के 13 जिलों क्रमशः भिण्ड, मुरैना, श्योपुर, सागर, दमोह, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ, ग्वालियर, दतिया, गुना, अशोकनगर और शिवपुरी के 10 हजार 261 ग्रामों की जल-प्रदाय योजनाओं के लिए आई.एस.ए. की नियुक्ति व्यवस्था एवं सेवाओं पर यह राशि व्यय की जा सकेगी।

देवगढ़ गौठान में वर्मी कम्पोस्ट निर्माण कर रहे समूह में सभी महिलाएं विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा से, सुदूर ग्रामीण क्षेत्र की ये बैगा महिलाएं आजीविका में हैं अव्वल

कोरिया। जिला मुख्यालय बैकुण्ठपुर से विकासखण्ड भरतपुर मुख्यालय की दूरी है लगभग 120 किमी, और भरतपुर मुख्यालय से करीबन 10 किमी दूर है देवगढ़। जिला मुख्यालय से मीलों दूर ग्राम देवगढ़ के गौठान में महिलाएं वर्मी कम्पोस्ट निर्माण कर रही हैं। इसके साथ ही मशरूम उत्पादन का काम जारी है। भविष्य में स्लीपर निर्माण का काम भी शुरू किया जाएगा। मुख्यालय से सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में इस गौठान की खास बात है यहां वर्मी कम्पोस्ट निर्माण करने वाला स्वसहायता समूह। सरस्वती स्वसहायता समूह के नाम से संचालित समूह की सभी महिलाएं विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा से हैं। सरस्वती स्वसहायता समूह में 8 महिलाएं हैं, जो गौठान में वर्मी खाद निर्माण का काम कर रही हैं। शहरों से लेकर दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं के लिए गौठान आजीविका और आत्मनिर्भरता के केंद्र साबित हो रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र और परिवेश की चुनौतियों, घर-परिवार की जिम्मेदारियों के साथ अपने हाथ की कमाई तीनों में संतुलन बनाते ये महिलाएं वर्मी कम्पोस्ट खाद के निर्माण

कार्य मे लगी हैं। महिलाओं की मेहनत और इच्छाशक्ति की सफलता इसी से आंकी जा सकती है कि इन्होंने महज एक साल में 703.80 क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट का विक्रय कर चुकी हैं, जिसकी कीमत 7.3 लाख रुपए है। इसमें से अब तक समूह ने 2 लाख 57 हजार 590 रुपए लाभ अर्जित किया है। जिससे प्रत्येक महिला को 20 से 30 हजार रुपए तक की आय हुई है। समूह की अध्यक्ष चन्द्रवती बैगा ने बताया कि वर्मी कम्पोस्ट खाद के लिए बिहान के द्वारा महिलाओं को पारम्परिक खाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद महिलाओं ने वर्मी खाद निर्माण में रूचि दिखाई और उनकी मेहनत रंग लाई। उन्होंने बताया कि गौठान में 20 टांको में वर्मी खाद का निर्माण किया जा रहा है, प्रत्येक टांके में लगभग 5 क्विंटल खाद का उत्पादन हो जाता है। समूह की महिलाओं ने बताया जैविक खेती से मिट्टी की उर्वरा क्षमता बनी रहती है। वर्मी कम्पोस्ट के उपयोग से भूमि की उर्वरा शक्ति और उत्पादन बढ़ोत्तरी के साथ-साथ उत्पादित खाद्यान्न की पौष्टिकता भी अच्छी होती है।

तीन दिनों में 3319 श्रमिकों ने कराया ई-श्रम पोर्टल पर पंजीयन

28 फरवरी तक 477 सक्रिय व्ही.एल.ई. और च्वाईस सेंटरों द्वारा किया जा रहा पंजीयन

घरों में काम करने वाले, कुक, सफाई कर्मचारी, रिक्शा चालक, हॉकर, डिलेवरी ब्वॉय जैसे असंगठित क्षेत्र के श्रमिक करा सकते हैं पंजीयन, मिलेगी बीमा की सुरक्षा, 12 अंको का कार्ड जो पूरे देश में होगा मान्य

कोरिया। भारत सरकार श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा ई-श्रम कार्ड योजना प्रारम्भ की गई है। योजना के तहत कोरिया जिले में भी पंजीयन शुरू कर दिया गया है। कोरिया जिले के सभी व्ही.एल.ई. और च्वाईस सेंटरों को ई-श्रम पंजीयन हेतु लक्ष्य प्रदान किया गया है जिसके तहत जिले के समस्त ग्राम पंचायतों में श्रमिकों का पंजीयन युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। कलेक्टर श्री कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार 14 फरवरी से ई-श्रम पंजीयन की शुरूआत की गई है। श्रमिकों द्वारा विशेष रूचि दिखाते हुए शिविर में जाकर अपना पंजीयन कराया जा रहा है। बीते तीन दिनों में 3319 श्रमिकों द्वारा पंजीयन कराया गया है। वर्तमान में कोरिया जिले में ई-श्रम पोर्टल में श्रमिकों का पंजीयन 477 सक्रिय व्ही.एल.ई. के माध्यम से किया जा रहा है। यह पंजीयन का कार्य 28 फरवरी तक जारी रहेगा। उल्लेखनीय है कि अब तक कोरिया जिले में कुल 1 लाख 45 हजार 491 श्रमिकों का ई-श्रम पोर्टल में पंजीयन हो चुका हैं। ई-श्रम पंजीयन के तहत पंजीकृत श्रमिकों को 12 अंको का कार्ड प्रदान किया जायेगा जोकि पूरे देश में मान्य होगा। इस कार्ड के माध्यम से श्रमिकों को 2 लाख रुपये तक बीमा का

लाभ मिलेगा। योजना के तहत कोई भी श्रमिक, जिसकी उम्र 16 से 59 वर्ष के बीच है और इन्कम टैक्स फाईल रिटर्न नहीं करते हैं और न ही इपीएफ और इएसआईसी के सदस्य है तो वह श्रमिक भारत सरकार की इस योजना में पंजीयन करा सकता है। श्रमिकों को अपना पंजीयन कराने के लिए आधार कार्ड, बैंक पासबुक एवं मोबाईल नम्बर का विवरण साथ में रखना होगा। ई-श्रम कार्ड के माध्यम से श्रमिकों को उनके काम के आधार पर बांटा गया - ई-श्रम कार्ड के माध्यम से श्रमिकों को उनके काम के आधार पर बांटा गया है। विभिन्न प्रकार की मजदूरों एवं कामगारों जिनका ई-श्रम कार्ड बन सकता है, जो निम्नानुसार है- घर का नौकर-नौकरानी (कामवाली बाई), खाना बनाने वाली (कुक), सफाई कर्मचारी, गार्ड, रेजा-कुली, रिक्शा चालक, ठेला में किसी भी प्रकार का सामान बेचने वाला(वेन्डर), होटल के नौकर, वेटर, रिसेप्शनिस्ट, पूछताछ करने वाले क्लर्क, ऑपरेटर, हर दुकान का नौकर, सेल्समैन, हेल्पर, ऑटो चालक, ड्राईवर, पंचर बनाने वाला, ब्यूटी पार्लर की वर्कर, नाई, मोची, दर्जी, बढ़ई, प्लम्बर, इलेक्ट्रिशियन, पोताई वाला (पेंटर), टाईल्स वाला, वेल्डिंग वाला, खेती वाले मजदूर, नरेगा मजदूर, ईट भट्ठा के मजदूर, पत्थर तोड़ने वाले, खदान मजदूर, फॉल्स सीलिंग वाले, मूर्ति बनाने वाला, मछुआरा, चरवाहा, डेरी वाले, सभी पशुपालक, पेपर का हॉकर, जोमैटो, स्विगी, अमेजन, फ्लिपकार्ट के डिलेवरी ब्वॉय (कूरियर वाले), नर्स, वार्ड ब्वॉय, आया, मंदिर के पुजारी, विभिन्न सरकारी ऑफिस के दैनिक वेतन भोगी, कलेक्टर रेट वाले कर्मचारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका, मितानिन, आषा वर्कर आदि अर्थात सभी तरह के व्यक्ति का पंजीयन हो सकता है।

पशुपालकों को कराएं पशु प्रजनन क्षेत्र का भ्रमण: कलेक्टर

नर्मदापुरम। जिले में पशु पालकों को जानकारी देने व दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा प्रयास किया जा रहा है। कलेक्टर नीरज सिंह ने गुरुवार को कीरतपुर स्थित मध्य प्रदेश राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम अंतर्गत संचालित पशु प्रजनन क्षेत्र का भ्रमण कर यहां पशुओं के भरण पोषण, दूध उत्पादन एवं संचालित गतिविधियों का जायजा लिया। कलेक्टर ने पशु प्रजनन प्रक्षेत्र प्रबंधन को यहां मिल्क प्रोडक्शन बढ़ाने तथा कार्ययोजना बनाकर जिले के पशुपालकों को समूहों में भ्रमण कराकर उन्हें पशुओं के रखरखाव के संबंध में जानकारी देने के निर्देश दिए। गाय एवं भैंस पशु प्रजनन क्षेत्र, नेशनल कामधेनू ब्रीडिंग सेंटर एवं पशु आहार संयंत्र की स्थिति देखी। प्रजनन क्षेत्र में 741 पशुः प्रबंधक पशु आहार संयंत्र डाक्टर सुनील चौधरी ने बताया कि इस पशु प्रजनन क्षेत्र में कुल 741 पशु है जिनमें से 181 दुधारू है। क्षेत्र की औसत दुग्ध उत्पादन क्षमता 850 लीटर प्रतिदिन है जिससे क्षेत्र के केंद्रीय प्रूफ संस्थान, आर्डिनेंस फैक्ट्री एवं स्थानीय लोगो को वितरित किया जाता है। शेष दूध को सांची डेयरी को भी भेजा जाता है। कलेक्टर सिंह ने पशु आहार संयंत्र का निरीक्षण कर यहां कैटल फीड बनाने की प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने प्रबंधन से कैटल फीड की बाजार कीमत एवं इसकी कीमत में आने वाले उतार.चढ़ाव के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की।

जल जीवन मिशन योजना से अब हर घर नल से पहुंचेगा स्वच्छ पानी - कमरो

विधायक की पहल पर साढ़े 6 करोड़ से अधिक की राशि मंजूर

युवा प्रदेश नेटवर्क

मनेंद्रगढ़। सविप्रा उपाध्यक्ष भरतपुर-सोनहत विधायक के प्रयासों से शासन की महती योजना जल जीवन मिशन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में हर घर नल के माध्यम से स्वच्छ पानी पहुंचेगा। इसके लिए भरतपुर विकासखंड में जल जीवन मिशन के तहत गांवों को चिन्हित किया गया है। जल जीवन मिशन में भरतपुर विकासखंड में 6 करोड़ 81 लाख 32 हजार की राशि स्वीकृत की गई है। योजना के तहत् जन स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) के द्वारा भरतपुर विकासखंड के ग्रामढाब, दुलारी, कथाराडोल, कोरमो, नारायणपुर, पटपरा, थोरगी, खोहरा एवं कुदरा में 88 लाख 44 हजार की लागत से पाइप लाइन फिटिंग, बिछाने, जोड़ने, इंटरकनेक्शन, परीक्षण और उसे चालूकरने संबंधी कार्य पूर्ण किए जाएंगे। इसी प्रकार ग्राम बडेरा, बरेल,दंडवझार, ढाब, तुमाडी,करीमती, पिछौरा बंध, बघेल में 93 लाख 94 हजार, मलकडोल, सिरकोला, बरचा, में 88 लाख 75 हजार, फुलझर, पटपरतोला, संबोरा में 78 लाख 12 हजार, बडकडोल में 99 लाख 33 हजार, ग्राम बगरीदंड, चिखली, गोपालनगर, खोखनिया, सीतापुर में 65 लाख 12 हजार, परावडोल व रानपा में 82 लाख 6 हजार तथा नेरूआ व गिधर में 85 लाख 56 हजार कुल 6 करोड़ 81 लाख 32 की लागत से जल जीवन मिशन के तहत् सभी जरूरी कार्य संपन्न कराए जाएंगे।

जल जीवन मिशन को लेकर विधायक गुलाब कमरो ने कहा कि अब हर घर में नल से शुद्ध पीने का पानी पहुंचेगा। हर ग्रामीण परिवार को नियमित और दीर्घकालिक आधार पर पर्याप्त मात्रा में निर्धारित गुणवत्ता वाले नल के जल की आपूर्ति हो सकेगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को शुद्ध पेयजल की उपलब्धता जीवन की मूलभूत आवश्यकता है, इसलिए प्रदेश की भूपेश सरकार जल जीवन मिशन के कार्यों को प्राथमिकता से पूरा कर रही है।

कोसा उत्पादन में राज्य के अग्रणी जिलों में शामिल कोरिया जिला, चाम्पा से लेकर पश्चिम बंगाल तक भेजा जा रहा कोसा

15 उत्पादन केंद्रों में 19 लाख से अधिक नग कोसे का हुआ उत्पादन, बीते वर्ष की तुलना में 4 लाख अधिक उत्पादन

युवा प्रदेश नेटवर्क

कोरिया। कोसा उत्पादन में देश में प्रमुख स्थान रखने वाले छत्तीसगढ़ राज्य के पारम्परिक मनमोहक रेशमी कपडों ने राज्य को विशिष्ट पहचान दिलाई है। राज्य में कोसा उत्पादन के मामले में कोरिया जिला भी अग्रणी जिलों में शामिल है। जिले में वर्ष 2021-22 में अब तक 19 लाख 17 हजार 344 कोसा उत्पादित किया गया है। बीते वर्ष यहां 14 लाख 89 हजार 581 नग कोसे का उत्पादन हुआ। पिछले बार की तुलना में इस बार उत्पादन में 4 लाख 27 हज़ार 763 नग कोसा उत्पादन की बढ़ोतरी हुई है। रेशम विभाग के अधिकारी श्री श्याम कुमार ने बताया कि जिले में कोसा की तीन प्रजातियों के कीड़ा पालने का कार्य किया जाता है जिसमे शहतूत (मलबरी) कृमिपालन, टसर (डाबा) कीटपालन एवं नैसर्गिक रैली कोसा कीट पालन शामिल है। वर्तमान में जिले में 15 उत्पादन केंद्रों में 127 हेक्टेयर भूमि पर 3 लाख 74 हजार पौधों में कोसा कीट पालन किया जा रहा है। इस कार्य से पूरे जिले में 15 महिला स्व सहायता समूह की 215 महिलाओं को रोजगार मिला है। जिले से कोसा विक्रय हेतु बाहर भी भेजा जाता है। 16 लाख 91 हज़ार 641 रुपये की कीमत के 13 लाख 36 हज़ार 829 नग कोसा पश्चिम बंगाल और चाम्पा को विक्रय किया गया है। 'रेशम उत्पादन कर आत्मनिर्भर हुईं महिलाएं, 3 लाख से अधिक का हुआ लाभ' बैकुंठपुर विकासखण्ड के जामपारा कोसा उत्पादन केंद्र में रेशम महिला स्वसहायता समूह की 70 महिलाओं द्वारा रेशम उत्पादन का कार्य किया जा रहा है। महिलाओं ने अब तक 3 लाख रुपए का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। समूह की महिला श्रीमति अन्नपूर्णा सिंह ने बताया कि समूह के द्वारा 1 लाख 20 हजार टसर एवं 20 किलो रेशम धागे का उत्पादन किया गया है। उन्होंने बताया कि रेशम उत्पादन के लिए 25 महिलाओं को 1 सप्ताह के प्रशिक्षण के लिए रेशम विभाग की ओर से जांजगीर चाम्पा जिले भेजा गया। विधिवत प्रशिक्षण उपरांत समूह ने रेशम उत्पादन का कार्य शुरू किया। 'इस तरह होता है रेशम तैयार-' अन्नपूर्णा ने बताया कि रेशम उत्पादन के लिए हमे रेशम विभाग की तरफ से 12 रुपए प्रति थैली अंडे मिलते है जिसमें 200-300 अंडे होते हैं। इन अंडों को अर्जुन एवं साल वृक्ष के पत्तों पर छोड़ दिया जाता है जिनमे 2-3 दिनों में रेशम के कीड़े निकल आते है एवं 40-45 दिनों में ये कीड़े कोकून के निर्माण करते है। कोकून निर्माण के समय उचित देखभाल की आवश्यकता होती है जिसमें समय-समय पर दवाइयों का छिड़काव किया जाता है। कोकून से रेशम निकालने के लिए स्पिनिंग मशीन, बुनियार मशीन का उपयोग किया जाता है।

किसानों की सुविधा के लिए बैंक समन्वय कर कार्य करें जिससे सहकारी बैंकों में राशि की ना हो कमी - कलेक्टर

■ बोर्ड परीक्षा के बाद होंगे कैरियर गाइडेंस कैम्प, कलेक्टर के निर्देश पर मिलेगी एजुकेशन लोन की जानकारी' डीएलसीसी एवं डीएलआरसी की बैठक सम्पन्न

युवा प्रदेश नेटवर्क

कोरिया। कलेक्टर श्री कुलदीप शर्मा ने मंथन सभाकक्ष में नाबार्ड द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 संभाव्यता युक्त ऋण योजना पुस्तिका का विमोचन किया। इसके साथ ही कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समन्वयक समिति (डीएलसीसी) एवं जिला स्तरीय स्तरीय सलाहकार समिति (डीएलआरसी) की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर ने उप संचालक, कृषि विभाग से बैंक वार और विकासखण्ड वार किसान क्रेडिट कार्ड की जानकारी ली। जिले में 1 लाख 7 हज़ार 725 राजस्व कृषक में से 45 हज़ार 82 और 12 हज़ार 106 वन पट्टा धारी कृषक में से 5 हज़ार 438 किसानों को केसीसी जारी किया गया है। कलेक्टर ने आगामी 3 माह में विशेष अभियान कर कृषि विभाग एवं बैंकों को समन्वय कर शेष किसानों को केसीसी कार्ड जारी करने के निर्देश दिए।

स्वसहायता समूहों को मजबूत करने बैंक लिंकेज की प्रगति की ली जानकारी: कलेक्टर ने बैठक में वित्तीय वर्ष 2021-22 में स्वसहायता समूहों को बैंक क्रेडिट लिंकेज की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी बैंक प्रबंधकों को फरवरी माह के अंत तक स्वसहायता समूहों को ऋण स्वीकृत करने पर चर्चा की। साथ ही भुगतान भी समय पर करने निर्देशित किया जिससे महिलाओं को आजीविका संचालन में समस्या ना हो। उन्होंने बैंक सखी के कार्य में स्व-सहायता समूह की महिलाओं को प्राथमिकता देने की बात कही।

सहकारी बैंकों में राशि की ना हो कमी - कलेक्टर: बैठक में कलेक्टर ने कहा कि सभी बैंक यह सुनिश्चित करें कि जिले के सहकारी बैंकों में राशि की कमी ना हो जिससे किसानों को समय पर पर्याप्त राशि मिले। मुद्रा लोन, टर्म लोन, सीसी लोन के लंबित प्रकरणों का निराकरण कर ऋण स्वीकृति, स्व-सहायता समूह की महिलाओं के लंबित ऋण 15 दिन में स्वीकृति की बात कही। उन्होंने मुद्रा योजना के तहत हितग्राहियों को ऋण लेने में होने वाली समस्याओं का निराकरण करने के निर्देश देते हुए एलडीएम श्री विकास कुमार गुप्ता को सभी बैंकों को प्रपत्र जारी करने के निर्देश दिए, जिसमें हितग्राहियों को मुद्रा योजना में आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी मिल सके। कलेक्टर के निर्देश, बोर्ड परीक्षा के बाद होंगे कैरियर गाइडेंस कैम्प, मिलेगी एजुकेशन लोन की जानकारी बैठक में श्री शर्मा ने शासन की योजनाओं के तहत लंबित प्रकरणों के निराकरण के संबंध में सभी बैंकों को प्रतिसप्ताह समीक्षा किए जाने एवं प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में आगामी दिवसों में लगाए जाने वाले वित्तीय साक्षरता शिविर में हितग्राहियों को लाभ मिले। बैठक में उन्होंने एलडीएम को एजुकेशन लोन में जिला शिक्षा अधिकारी के समन्वय से कार्ययोजना बनाकर बोर्ड परीक्षाओं के बाद आयोजित किए जाने वाले कैरियर गाइडेन्स कैम्प में बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए मिलने वाले एजुकेशन लोन के विषय मे जानकारी देने कहा।

संपादकीय

संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती पर होगा गरिमामय आयोजन

संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती पर भव्य समारोह 16 फरवरी 2022 को दोपहर 12 बजे संत रविदास मंदिर प्रांगण, बरखेड़ा पठानी भोपाल में आयोजित होगा। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा समारोह को वर्चुअली संबोधित किया जाएगा। जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री सुश्री मीना सिंह अध्यक्षता करेंगी। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, पूर्व मंत्री जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति कल्याण श्री लालसिंह आर्य, पूर्व विधायक गोटेगाँव श्री कैलाश जाटव तथा विधायक श्रीमती कृष्णा गौर भी समारोह में सम्मिलित होंगे। राज्य स्तरीय समारोह में संत रविदास जी के मंदिर में दर्शन-पूजन एवं माल्यार्पण के साथ संतों का सम्मान किया जाएगा। अनुसूचित जा?ति के प्रशिक्षणार्थियों के कौशल उन्नयन के लिये स्वीकृति-पत्रों का वितरण और अनुसूचित जाति वर्ग की व्यापक सहभागिता होगी। मुख्य तौर पर अनुसूचित जाति वर्ग पर केन्द्रित कार्यक्रम में सफल उद्यमी भी शामिल होंगे। विकासखंड मुख्यालयों पर होने वाले कार्यक्रम में संबंधित विधायक सम्मिलित होंगे। इनके अलावा अन्त्योदय समितियों के सदस्य, समाजसेवी तथा सामाजिक संगठनों के सदस्य भी शामिल होंगे। जिला, विकासखंड और ग्राम पंचायत में भी रविदास जयंती के कार्यक्रम होंगे।

उत्तर प्रदेश का तीसरा चरण: फिर सपा के गढ़ में सेंधमारी के प्रयास में भाजपा

तीसरे चरण में बुंदेलखंड को छोड़कर जिन जिलों में मतदान होना है, वहा सपा का परंपरागत गढ़ और यादव बेल्ट है, जहां से 2017 में बीजेपी ने क्लीन स्वीप किया था। बुंदेलखंड में तो विपक्ष खाता भी नहीं खोल सका था। अखिलेश की असल परीक्षा अब तीसरे चरण में होनी है, तीसरे चरण में यह भी तय हो जाएगा कि क्या अखिलेश ने नेताजी मुलायम सिंह यादव जैसी पकड़ अपने गढ़ में बना ली है या अभी उनको और मेहनत करनी पड़ेगी।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के शुरुआती दो चरण का चुनाव प्रचार काफी धमाकेदार रहा। सियासी ऊंट किस करवट बैठा, इसको लेकर दावे-प्रतिदावों का दौर तो जारी है, लेकिन असलियत वोटिंग मशीनों में बंद हो गई है,जो 10 मार्च को खुलेंगी। अब तो तीसरे चरण के लिए गोटें सजाई जा रही हैं। तीसरे चरण में यादव बाहुल्य जिलों और बुंदेलखंड इलाके की 59 सीटों पर 20 फरवरी को वोट डाले जाएंगे। तीसरे चरण में सबसे बड़ा मुकाबला मैनपुरी के करहल में होगा, जहां से भावी मुख्यमंत्री की दौड़ में शामिल समाजवादी पार्टी के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव प्रत्याशी हैं। तीसरे चरण में बुंदेलखंड को छोड़कर जिन जिलों में मतदान होना है, वहा सपा का परंपरागत गढ़ और यादव बेल्ट है, जहां से 2017 में बीजेपी ने क्लीन स्वीप किया था। बुंदेलखंड में तो विपक्ष खाता भी नहीं खोल सका था। अखिलेश की असल परीक्षा अब तीसरे चरण में होनी है, तीसरे चरण में यह भी तय हो जाएगा कि क्या अखिलेश ने नेताजी मुलायम सिंह यादव जैसी पकड़ अपने गढ़ में बना ली है या अभी उनको और मेहनत करनी पड़ेगी। इसी चरण में एक दलित युवती के साथ बलात्कार के बाद हत्या के चर्चा में आया हाथरस, माफिया विकास दुबे एनकाउंटर के बाद सुर्खियां बटोरने वाला कानपुर और इसके चलते यहां ब्राहमणों की नाराजगी का किसको फायदा होगा और किसको नुकसान इसका भी फैसला हो जाएगा। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के शुरू के दो चरणों की 113 सीटों पर मतदान खत्म हो चुका है।

पहले चरण में जहां पश्चिमी यूपी में जाटलैंड इलाके वाली सीटों पर चुनाव थे तो दूसरे चरण में मुस्लिम बहुल विधान सभा सीटों पर वोटिंग हुई थी। वहीं, अब तीसरे चरण में मध्य उत्तर प्रदेश के यादव बेल्ट और बुंदेलखंड इलाके की 59 सीटों पर सियासी दलों ने अपनी जोर-आजमाइश तेज कर दी है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के लिए सत्ता में वापसी लिए यह चरण सबसे अहम है तो बीजेपी के लिए भी काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ऐसा इसलिए भी लग रहा है क्योंकि पहले दो चरणों में सपा-भाजपा के बीच मुकाबला बराबरी का बताया जा रहा है। तीसरे चरण में हाथरस, फिरोजाबाद, कासगंज, एटा, मैनपुरी, फर्रुखाबाद, कन्नौज, इटावा, औरैया, कानपुर, कानपुर देहात, जालौन, झांसी, ललितपुर, हमीरपुर और महोबा जिले की 59 सीटे हैं। इसमें ब्रज और यादव बेल्ट के सात तो बुंलेदखंड के पांच जिले शामिल हैं। 2022 उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के तीसरे चरण की जिन 59 सीटों पर चुनाव हो रहे हैं, उनमें से 90 फीसदी सीटों पर फिलहाल बीजेपी का कब्जा है। 2017 के विधान सभा चुनाव में इन 59 सीटों में से 49 सीट पर भाजपा ने जीत दर्ज की थी जबकि नौ सीट पर सपा और महज एक सीट पर कांग्रेस को जीत मिली थी। बसपा खाता भी नहीं खोल सकी थी। सत्ता में रहने के बावजूद भी सपा ने अपने गढ़ में अपना सबसे

खराब प्रदर्शन किया था। मोदी लहर पर सवार बीजेपी ने 49 सीटें जीतकर एक नया रेकॉर्ड बनाया। पिछले तीन दशक में किसी भी पार्टी के लिए इस चरण में यह सबसे बड़ी जीत थी। तीसरे चरण में बीजेपी के लिए जहां अपनी सीटें बचाने की चुनौती है तो सपा और बसपा की साख दांव पर होगी। पिछली बार चुनावी नतीजो के देखते हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव

■मोदी लहर पर सवार बीजेपी ने 49 सीटें जीतकर एक नया रेकॉर्ड बनाया।

खुद ही तीसरे चरण में चुनावी मैदान में किस्मत आजमाने के लिए मैनपुरी जिले की करहल सीट से उतरे हैं। वहीं चचा-भतीजे की सुलह के बाद चचा शिवपाल यादव अपनी परम्परागत इटावा जिले की जसवंतनगर सीट से ताल ठोक रहे हैं। शिवपाल कभी सपा के सबसे बड़े रणनीतिकार हुआ करते थे, लेकिन अब पार्टी में हालात बदल चुके हैं। अखिलेश को अपना नेता मान चुके शिवपाल से समाजवादी पार्टी को कितना फायदा होगा, इसको लेकर अभी कुछ नहीं कहा जा सकता है। अखिलेश के सामने अपने गढ़ में खिसके सियासी आधार को दोबारा से हासिल करने की है तो बुंदेलखंड के जिन जिलों की सीटों पर चुनाव हैं, वहां पर पिछली बार बसपा-कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली थी। दरअसल, 2017 में एटा, कन्नौज, इटावा, फरुर्खाबाद, कानपुर देहात जैसे जिलों में भी सपा को करारा झटका लगा था। जबकि, 2012 के चुनाव में इन जिलों में सपा ने क्लीन स्वीप किया था। सपा को तीसरे चरण में तब 37 सीटें मिली थीं और 2017 में महज 9 सीटों से संतोष करना पड़ा था। यहां पर बीजेपी का गैर-यादव ओबीसी कार्ड काफी सफल रहा था। शाक्य और लोध वोटर एकमुश्त बीजेपी के पक्ष में गए थे, लेकिन इस बार सपा ने भी इन वोटों को साधने का खास इंतजाम किया। हाथरस जिले की सीटों का चुनाव भी इसी चरण में हैं, जहां दलित युवती के साथ बलात्कार और हत्या और उसके बाद प्रशासनिक मशीनरी का व्यवहार राष्टीय मुद्दा बनबन गया था। अखिलेश यादव वोटरों के जेहन में इस मसले को जिंदा रखने के लिए हर महीने 'हाथरस की बेटी स्मृति दिवस' मना रहे हैं। इत्र नगरी कन्नौज पर छापेमारी को सपा एक बड़ा मुद्दा बनाया था और कन्नौज के बदनाम करने का आरोप अखिलेश बीजेपी पर लगाते रहे हैं। वहीं, बिकरू कांड वाला इलाका में भी वोटिंग इसी चरण में होनी है। विकास दुबे पुलिस एनकाउंटर और उसके एक सहयोगी अमर दुबे की पत्नी खुशी दुबे को जेल भेजा जाना यहां मुद्दा बना हुआ है। विपक्ष इसे ब्राह्मणों के साथ अन्याय बता रही है तो कांग्रेस ने खुशी दुबे की बहन नेहा तिवारी को कल्याणपुर से चुनाव में उतार दिया है। तीसरे चरण की 59 में से 30 विधानसभा सीटों पर यादव वोट बैंक की बहुलता है। 16 में से 9 जिलों में यादवों की बहुलता है। वर्ष 2017 में सपा के खराब प्रदर्शन का कारण यादव विरोधी वोटों का ध्रुवीकरण होना था।

चुनौतियों के बावजूद भारत का लोकतंत्र सबल कैसे हो?

भारत के केंद्र और राज्यों में अक्सर सरकारें बदलती रहती हैं। लेकिन ऐसा बुलेट से नहीं, बैलेट से होता है। इसके बावजूद दुनिया के 167 राष्ट्रों की सूची में भारत का स्थान 46 वां क्यों है? वह पहला क्यों नहीं है? जो दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, वह सबसे अच्छा भी क्यों नहीं है। दुनिया के किन-किन देशों में कैसा-कैसा लोकतंत्र है, इसका सर्वेक्षण हर साल ब्लूमबर्ग नामक संस्था करती है। इस साल का उसका आकलन है कि दुनिया के 167 देशों में से सिर्फ 21 देशों को आप लोकतांत्रिक कह सकते हैं। 56 देश खुद को लोकतांत्रिक बताते हैं लेकिन वे लंगड़ाते हुए लोकतंत्र हैं। याने दुनिया के ज्यादातर देश या तो तानाशाही में जी रहे हैं या फौजशाही में या पार्टीशाही में या परिवारशाही या राजशाही में ! उन राष्ट्रों में आम जनता के मूल अधिकारों की परवाह करनेवाला कोई नहीं है। न सरकार, न अदालत और न ही संसद ! यह संतोष का विषय है कि भारत में

नागरिकों के अधिकारों का जब भी उल्लंघन होता है तो सरकारें, संसद और अदालतें उनका संज्ञान लिये बिना नहीं रहतीं। भारत को गर्व है कि आज तक उसमें फौजी तख्ता-पलट की कोई कोशिश तक नहीं हुई जबकि हमारे पड़ोसी देशों में कई बार तख्ता-पलट हो चुके हैं। इन देशों के संविधान भी कई बार पूर्णरुपेण बदल चुके हैं लेकिन भारत का संविधान अब तक ज्यों का त्यों है। भारत के केंद्र और राज्यों में अक्सर सरकारें बदलती रहती हैं। लेकिन ऐसा बुलेट से नहीं, बैलेट से होता है। इसके बावजूद दुनिया के 167 राष्ट्रों की सूची में भारत का स्थान 46 वां क्यों है? वह पहला क्यों नहीं है? जो दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, वह सबसे अच्छा भी क्यों नहीं है? जिन दस देशों के नाम इस सूची में सबसे ऊपर हैं, वे भारत के औसतन प्रांतों से भी छोटे हैं- जैसे नार्वे, न्यूजीलैंड, फिनलैंड, स्वीडन, आयरलैंड, ताइवान आदि! भारत गर्व कर सकता है कि चीन, जो कि जनसंख्या में उससे भी बड़ा है, वह घटिया लोकतंत्रों में 5 वें स्थान पर है। उसके पहले चार सीढ़ियों नीचे बैठे हैं- अफगानिस्तान, म्यांमार, उत्तर कोरिया और लाओस। अपने मित्र चीन से दो सीढ़ी ऊपर बैठा है, पाकिस्तान! इन राष्ट्रों में या तो तानाशाही का डंका पिट रहा है या फौज का! किसी देश में लोकतंत्र है या नहीं है और कम है या ज्यादा है, यह नापने का जो पैमाना है, उसके पांच मानदंड हैं। एक, चुनाव प्रक्रिया, दो सरकारी काम-काज, तीन राजनीतिक भागीदारी, चार राजनीतिक तथा सांस्कृतिक स्वतंत्रता और पांच, नागरिक अधिकार! इन सब आधारों पर जांचने पर पता चला है कि अमेरिका जैसा समृद्ध राष्ट्र 26 वें स्थान पर है, भारत 46 वें पर और पाकिस्तान 104 वें स्थान पर है। पाकिस्तान में भी भारत की तरह चुनाव तो होते हैं लेकिन वहां भी अफ्रीकी देशों की तरह फौज का स्थान सर्वोपरि है। फौज पाकिस्तान की स्थायी महारानी है।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में कुर्मी वोटर होंगे निर्णायक!

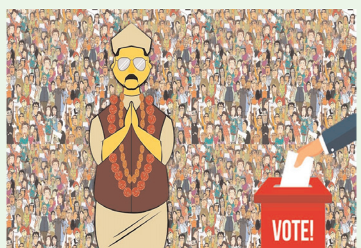

उत्तर प्रदेश में कुर्मी समाज 6 फीसदी है, जो ओबीसी में 35 फीसद के करीब है। सूबे की करीब चार दर्जन विधानसभा सीटें और 8 से 10 लोकसभा सीटें ऐसी हैं जिन पर कुर्मी समुदाय निर्णायक भूमिका निभाते हैं। यूपी में कुर्मी समाज का प्रभाव 25 जिलों में हैं। यूपी में सभी राजनैतिक दल पिछड़ों (ओबीसी) की बड़ी जाति कुर्मियों के वोट बैंक पर नज़र जमाएं हुए हैं। कुर्मियों के वर्चस्व के चलते राजनीति में भी कुर्मी नेताओं ने अहम स्थान और किरदार निभाया है, यह और बात है कि अभी तक प्रदेश को कुर्मी बिरादरी से कोई मुख्यमंत्री नहीं मिल पाया है। इस बार भी हमेशा की तरह उत्तर प्रदेश की सियासत ओबीसी के इर्द-गिर्द केंद्रित हो गई है। प्रदेश में यादव के बाद दूसरी सबसे बड़ी आबादी ओबीसी में कुर्मी समाज की है। कुर्मी समाज के वोटों को साधने के लिए बीजेपी से लेकर सपा, बसपा और कांग्रेस तक जोर आजमाइश में जुटी हैं।

वहीं, अपना दल के दोनों गुट कुर्मी समाज की बदौलत किंग मेकर बनने का सपना संजोय हैं तो नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) भी इसी दम पर सूबे में अपने सियासी पैर जमाना चाहती है। ऐसे में यूपी चुनावों में सभी दलों के लिए अहम बन चुके कुर्मी मतदाता किसकी वैतारणी पार लगाएंगे? यह सवाल सत्ता के गलियारों में खूब गूंज रहा है। उत्तर प्रदेश में कुर्मी बिरादरी का वोट करीब 6 फीसदी है, जिन्हें पटेल, गंगवार, सचान, कटियार, निरंजन, चौधरी और वर्मा जैसे उप-नाम से जाना जाता है। रुहेलखंड में कुर्मी गंगवार और वर्मा से पहचाने जाते हैं तो कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र में कुर्मी, पटेल, कटियार, निरंजन और सचान कहलाते हैं।

पुलवामा के बलिदानियों को कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

बेगमगंज। पुलवामा में देश के 35 सपूतों के बलिदान को याद करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष व पूर्व विधायक देवेंद्र पटेल ने शाम 7 बजे श्रद्धांजलि देते हुए कहाकि उनका बलिदान बेकार नहीं जाएगा। आज वह हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके खून की एक-एक बूंद हमारी और हमारे देश की सरहदों पर एक मजबूत ढाल बनकर रक्षा कर रही है। कांग्रेस परिवार उन सभी को विनम्र श्रद्धांजलि देते हुए शहीदों के परिवारों के प्रति अपने निष्ठा व्यक्त करते हुए उन्हें सांत्वना देता है कि उन्होंने अपने प्रिय लालों को देश की सेवा में कुर्बान कर दिया। ईश्वर उन्हें इस गहरे दुख को सहने की शक्ति प्रदान करें। इस अवसर पर सभी शहीदों के संयुक्त चित्र पर एक-एक करके कांग्रेस की श्रद्धांजलि सभा में मौजूद कांग्रेस के सभी कार्यकर्ताओं द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की गई और अंत में दो मिनट का मौन धारण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

युवाओं ने कैंडल मार्च निकालकर शहीदों को श्रद्धांजलि दीः

सुल्तानपुर। पुलवामा में शहीद हुए भारतीय सैनिकों को युवाओं ने कैंडल मार्च निकालते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है। वर्ष 2019 में आतंकवादी हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के काफिले पर आतंकवादियों द्वारा हमला करने पर भारत के 40 जवान शहीद हुए थे। उन जवानों की शहादत को याद करते हुए नगर सुल्तानपुर के युवाओं ने कैंडल मार्च निकाला। वीर जवानों को याद करते हुए भारतीय सैनिकों की याद में नारे लगाए उनकी शहादत को याद किया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने वीर सपूतों को याद करते हुए उनकी बहादुरी और उनकी सर्वोच्च बलिदान को हमेशा याद किया जाएगा उनके बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस दौरान किशोर रामानी, सुरेश श्रीवास्तव, प्रकाश सिंह पटेल, नितेश पटेल, मयंक जैन, राजू अरोरा, डॉक्टर देशराज चौहान, विजय देवनानी सहित बड़ी संख्या में नगर एवं ग्रामीण अंचलों से युवा उपस्थित रहे।

शासकीय महाविद्यालय में लाखों की गड़बड़ी, प्राचार्य को हटाया

गैरतगंज (रायसेन)। नगर के एक मात्र शासकीय कालेज में लंबे समय से चल रही गड़बड़ियों के चलते अब उच्च शिक्षा विभाग ने संज्ञान लिया है। विभाग ने प्रारम्भिक जांच में बीते तीन दशक से अधिक समय से पदस्थ कालेज की प्रभारी प्राचार्य को हटाने की कार्रवाई की है। विभिन्ना बिन्दुओं पर जांच की जा रही है। प्राचार्य सीता सोनी को उनके पद से हटा दिया गया है तथा प्रभार इशरत जहां रायसेन को दिया गया है। यह पूरी कार्रवाई उच्च शिक्षा विभाग द्वारा किए गए निरीक्षण के दौरान की गई है। सूत्रों की मानें तो कालेज प्रबंधन द्वारा लंबे समय से वित्तीय अनियमितताएं की जा रही हैं। यहां फर्जी बिल बाउचरों को लगाकर लाखों रुपये का हेरफेर किया गया है। वहीं यहां पदस्थ अतिथि विद्वानों के साथ सांठगांठ कर बड़े स्तर पर अनियमितताएं की गई है। पता चला है कि यहां पदस्थ कुछ अतिथि विद्वान शिक्षण कार्य के लिए कालेज कभी कभार ही पहुंचते है जिसके एवज में कालेज प्रबंधन मानदेय पूरा देने की गड़बड़ियां की गई हैं। इसके अतिरिक्त कालेज छात्र-छात्राओं के लिए होने वाले शिविरों एवं अन्य आयोजनों में भी कागजी खानापूर्ति करके लाखों का हेरफेर किया जाता रहा है। इन सब गड़बड़ियों की शिकायत जब उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों को मिली तो उन्होने दल बनाकर कालेज के रिकार्ड का अकस्मात निरीक्षण किया गया। तथा प्रारम्भिक गड़बड़ियां पाए जाने पर प्रभारी प्राचार्य सोनी को पद से हटा दिया है।

कृषि उपज मंडी के हम्मालों ने विभिन्ना मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा

बेगमगंज। नगर की कृषि उपज मंडी समिति में कार्यरत हम्मालों एवं तुलावटियों ने अपनी 6 सूत्रीय मांगों को लेकर कृषि उपज मंडी समिति के सचिव एवं तहसीलदार एनएस परमार को ज्ञापन सौंपकर मांगों को पूरा किए जाने की मांग रखी। कृषि उपज मंडी समिति में कार्यरत हम्मालों एवं मिलावटी का काम करने वाले शिवराज प्रजापति, बाबूलाल, रामबाबू नामदेव, राहुल, मोतीलाल, शैतान सिंह, दीपक, जगदीश अहिरवार, लखन कुशवाहा, विकास कुमार इत्यादि ने तहसील प्रांगण पहुंचकर तहसीलदार एनएस परमार को एक ज्ञापन सौंपकर 6 सूत्रीय मांग की है। तोल पर्ची तत्काल प्रभाव से लागू की जाए, हम्माल एवं तुलावटियों को भोजन कूपन सुबह 11 बजे से रात 11 बजे तक उपलब्ध कराए जाएं। महीने के सभी शनिवारों पर नीलामी प्रक्रिया जारी रखकर नीलामी शुरू की जाए। सभी मंडी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को ड्रेस पहनना अनिवार्य किया जाए। मंडी प्रांगण में बिना लाइसेंसधारी हम्माल व तुलावटियों से कार्य नहीं कराया जाए एवं संघ की अनुमति के बिना उनके पंजीयन रिन्यू नहीं किए जाएं और ना ही नए लाइसेंस बनाए जाएं। मंडी प्रांगण में समर्थन मूल्य पर खरीदी के समय मंडी के लाइसेंसधारी हम्माल एवं तुलावटियों को कार्य करने की प्राथमिकता दी जाए। उक्त मांगों के पूर्ण किए जाने की बात करते हुए है हम्मालों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों को 2 मार्च तक नहीं माना गया तो वह मंडी में कार्य करने में असमर्थ रहेंगे। इसकी संपूर्ण जवाबदारी मंडी प्रशासन एवं शासन की होगी। उल्लेखनीय है कि कृषि उपज मंडी समिति में कार्यरत हम्मालों एवं तुलावटियों द्वारा यदा-कदा इसी प्रकार ब्लैकमेल करते हुए अपनी मांगें मनवाने के लिए मंडी प्रशासन को मजबूर किया जाता रहा है। पुनः हड़ताल की धमकी दी जा रही है।

कन्नड़ अभिनेत्री भार्गवी नारायण का निधन और फिर बदली लाल सिंह च ा की रिलीज डेट

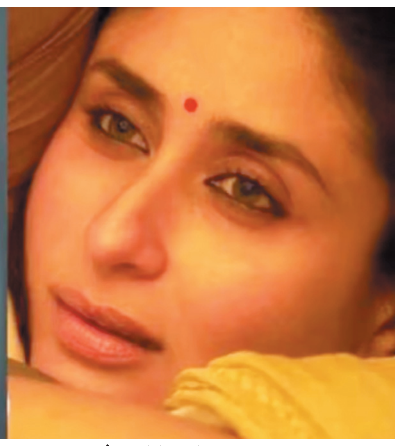

बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान काफी समय से अपनी अपकमिंग फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म में आमिर खान पहली बार सिख किरदार में नजर आएंगे और उनके साथ एक्ट्रेस करीना कपूर स्क्रीन शेयर करती दिखाई देंगी। ये फिल्म 14 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी लेकिन अब फिल्म की रिलीज डेट को आगे खिसका दिया गया है, जो यकीनन फैंस के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है। फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं लेकिन दर्शकों को फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' के रिलीज होने का थोड़ा और इंतजार करना है। आमिर खान की तरफ से फिल्म की नई रिलीज डेट का एलान भी आज कर दिया गया है। ये फिल्म 11 अगस्त को सिमेनाघरों में रिलीज होगी। फिल्म,

थिएटर और छोटे पर्दे की कलाकार भार्गवी नारायण का सोमवार रात निधन हो गया। वह 83 साल की थीं और उम्र संबंधी बीमारियों से पीड़ित थीं। इस दुखद समाचार के बाद इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। सोशल मीडिया पर उन्हें श्रद्धांजलि दी जा रही है। अभिनेत्री की पोती ने उनके निधन की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए दी है। भार्गवी नारायण अपने पीछे चार बच्चे छोड़ गई हैं। उनकी शादी बेलावडी नंजुन्दैया नारायण से हुई थी, जिन्हें मेकअप नानी के नाम से भी जाना जाता है, वह एक अभिनेता और मेकअप आर्टिस्ट भी थे। अभिनेत्री के बेटे प्रकाश ने बताया कि उनका पार्थिव शरीर उनकी इच्छा के अनुसार सेंट जॉन्स अस्पताल को दान कर दिया जाएगा। उनकी आंखें नेत्रधाम संस्थान को दान की जाएगी।

डॉक्यूमेंट्री 'राइटिंग विद फायर' ऑस्कर में नॉमिनेट

दुनिया के प्रतिष्ठित अवॉर्ड्स में से एक एकेडमी अवॉर्ड्स के इस साल के नॉमिनेशन का एलान हो गया है। इस साल कई बड़ी फिल्में इस अवॉर्ड में अपनी जीत की दावेदारी पेश करने वाली हैं। ऐसे में भारतीय दर्शक को भी इस साल ऑस्कर अवॉर्ड से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन भारत की तरफ से भेजी गई अभिनेता सूर्या की जय भीम और मोहनलाल की मराक्कर फाइनल नॉमिनेशन लिस्ट में जगह नहीं बना सकीं। हालांकि, भारतीय कहानी पर आधारित डॉक्युमेंट्री राइटिंग विद फायर ने डॉक्युमेंट्री श्रेणी में अपना स्थान पक्का कर लिया है।

बता दें कि यह फिल्म भारतीय दलित महिलाओं द्वारा निकाले जाने वाले अखबार खबर लहरिया पर आधारित है। 94वें एकेडमी अवॉर्ड की लाइव स्ट्रीमिंग शुरू हो चुकी है। दर्शक इसे ऑफिशियल यूट्यूब और एबीसी पर देख सकते हैं। थॉमस और सुष्मित घोष द्वारा निर्देशित राइटिंग विद फायर दलित महिलाओं द्वारा संचालित भारत के एकमात्र समाचार पत्र खबर लहरिया की कहानी है। इस डॉक्युमेंट्री में मुख्य रिपोर्टर मीरा के नेतृत्व वाले दलित महिलाओं के महत्वाकांक्षी समूह की

कहानी को दिखाया गया है, जो प्रासंगिक बने रहने के लिए प्रिंट से डिजिटल माध्यम में स्विच करती हैं। स्मार्टफोन और उन्हें परिभाषित करने वाले साहस और दृढ़ विश्वास के साथ, खबर लहरिया के पत्रकार अपने क्षेत्र में अन्याय की जांच और दस्तावेजीकरण करते हैं। वे स्थानीय पुलिस बल की अक्षमता पर सवाल उठाते हैं, जाति और लिंग हिंसा के शिकार लोगों की सुनते हैं और उनके साथ खड़े होते हैं।

धमकी का सामना करते हैं और अपने समाज के मानदंडों को चुनौती देते हैं जो उनकी यात्रा में अन्याय को कायम रखते हैं। इस साल ऑस्कर अवार्ड के लिए चुनी गई एक्ट्रेसेस की बात करें तो इसमें जेसिका चैस्टन, ओलिविया कोलमैन, निकोल किडमैन, पेनेलोप क्रूज, क्रिस्टिन स्टीवर्टट का नाम शामिल है। वहीं, बेस्ट डायरेक्टर की लिस्ट की बात करें तो इसमें स्टीवन स्पिलबर्ग, जेन कैम्पियन, पॉल थॉमस एंडरसन जैसे निर्देशक का नाम चुना गया है। जबकि बेस्ट पिक्चर में डून, कोडा, डोंट लूक अप, द पावर ऑफ गॉड, वेस्ट साइड स्टोरी, नाईटमेयर एले, किंग रिचर्ड जैसी फिल्मों का नाम शामिल है।

सुनील शेट्टी से लेकर पंकज त्रिपाठी तक, जल्द ही हॉलीवुड फिल्मों में नजर आएंगे ये भारतीय कलाकार

हिंदी फिल्म सिनेमा में अपनी एक खास पहचान बनाने वालीं अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा हॉलीवुड में भी अपने अभिनय से शोहरत हासिल कर रही हैं। हॉलीवुड के कई बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रह चुकीं अभिनेत्री प्रियंका जल्द ही एनसीयू फेम एक्टर एंथोनी मैकी के साथ एक हॉलीवुड फिल्म में नजर आने वाली हैं। केविन सुलिवन के डायरेक्शन में बन रही इस फिल्म का नाम एंडिंग थिंग्स होगा। हाल ही में सरोगेसी के जरिए मां बनीं अभिनेत्री प्रियंका इन दिनों काम से दूर है, लेकिन वह जल्द ही इस हॉलीवुड प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू करेंगी। हॉलीवुड फिल्मों में नजर आने वाली प्रियंका करवाती अभिनेत्री नहीं हैं। प्रियंका के अलावा बॉलीवुड के अन्य कलाकार भी जल्द ही बड़ी हॉलीवुड फिल्मों का हिस्सा बनते दिखाई देंगे।

सुनील शेट्टी

डोंट स्टॉप स्ट्रिमिंग से अपना इंटरनेशनल डेब्यू करने के बाद सुनील शेट्टी अब जल्द ही फिल्म कॉल सेंटर से हॉलीवुड में एंट्री करने वाले हैं। असल घटना पर आधारित इस फिल्म में सुनील एक सिख पुलिसवाले के किरदार में नजर आएंगे। अभिनेता इससे पहले साल 2007 की हॉलीवुड फिल्म में कैमियो रोल करते दिखाई दिए थे।

पंकज त्रिपाठी

अपने शानदार अभिनय से लोगों का दिल जीतने वाले अभिनेता पंकज त्रिपाठी भी जल्द ही हॉलीवुड फिल्म में नजर आने वाले हैं। क्रिस हेम्सवर्थ और रणदीप हुड्डा के साथ एक्सट्रैक्शन में नजर आ चुके पंकज त्रिपाठी ने अपनी हॉलीवुड फिल्म की शूटिंग का एक शेड्यूल पूरा कर लिया है।

धनुष

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के बाद बॉलीवुड में भी अपने अभिनय का डंका बजाने वाले अभिनेता धनुष अब जल्द ही बॉलीवुड में एंट्री करने को तैयार हैं। धनुष नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने वाली एक्शन थ्रिलर फिल्म द ग्रे मैन में नजर आने वाले हैं।

शोभिता धुलिपाला

रमन राघव 2.0, बॉडी जैसी फिल्मों में नजर आ चुकीं शोभिता धुलिपाला जल्द ही हॉलीवुड फिल्म मंकी मैन में दिखाई देंगी। नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली यह फिल्म देव पटेल का डायरेक्टोरियल डेब्यू होगा। इस फिल्म में शोभिता के साथ ही अभिनेता सिकंदर खेर भी अहम किरदार निभाते दिखाई देंगे।

ऋतिक रोशन

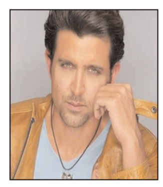

इन दिनों अपनी नई दोस्त को लेकर चर्चा में बने हुए अभिनेता ऋतिक रोशन भी हॉलीवुड की तरफ रुख करने वाले हैं। अभिनेता को हाल ही में यूएस की एक टैलेंट कंपनी ने साइन किया है, जिसका नाम गेर्श एजेंसी है। इस एजेंसी के तरफ से ऋतिक को लगातार अलग-अलग तरह की स्क्रिप्ट दी जा रही है।

भड़का ड्रैगन: तिब्बत से जुड़े कार्यक्रम पर चीन में हॉलीवुड स्टार ट्रोल

हॉलीवुड सुपर स्टार कीनू रीव्स के तिब्बत हाउस यूएस बेनिफिट कॉन्सर्ट में शामिल होने की खबर को लेकर वे चीनी सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल हो रहे हैं। द हॉलीवुड रिपोर्टर के मुताबिक, चीन के सोशल मीडिया यूजर कीनू की हालिया रिलीज मूवी द मैट्रिक्स रिसरेक्शंस (मैट्रिक्स-4) को चीन में फ्लॉप करने के लिए अभियान भी चला रहे हैं। इसका असर उनकी फिल्म के व्यावसायिक पहलू पर भी पड़ा है। कॉन्सर्ट में शामिल होने की खबर से पूर्व द मैट्रिक्स रिसरेक्शंस ने चीन में 56 करोड़ का कारोबार किया था लेकिन इस खबर के बाद यह कारोबार सिर्फ 36 करोड़ का रह गया। यह कॉन्सर्ट तीन मार्च को 35वें वार्षिक समारोह के रूप में तिब्बत हाउस में होगा जिसमें कीनू रीव्स समेत पैटी स्मिथ, ट्रे अनास्तासियो, जेसन इसबेल और इग्गी पॉप के शामिल होने की

खबरें हैं। हालांकि, अभी तक कीनू की तरफ से इसे लेकर कोई बयान जारी नहीं किया गया है। चीन इससे पहले भी मानवाधिकारों को लेकर बोलने वाले अथवा दलाई लामा से मिलने पर हॉलीवुड के कई लोगों को प्रतिबंधित कर चुका है। इनमें लेडी गागा, ब्रैड पिट, कैटी पेरी, जस्टिन बीबर, बॉन जोवी, ब्योर्क, बॉब डिलन और रिचर्ड गेरे जैसे नाम शामिल हैं। पाकिस्तान पुलिस ने पंजाब प्रांत के लाहौर जिले में एक युवक द्वारा अपनी मां और तीन भाई-बहनों की गोली मारकर हत्या करने के बाद चीन के पबजी समेत खतरनाक वीडियो गेम पर प्रतिबंध लगाने के लिए सिफारिश भेजने का फैसला किया है। पुलिस प्रवक्ता अली जान ने बताया कि हिंसा की बढ़ती प्रवृत्ति के बीच युवाओं को पबजी के हानिकारक प्रभाव से बचाने के लिए ऐसा किया जा रहा है।

निवेशकों को पांच साल में जबरदस्त फायदा

टाटा ग्रुप के पास 8 लाख कर्मचारी हैं, 1868 में शुरू हुआ था यह कारोबारी घराना

मुंबई। टाटा ग्रुप के बोर्ड ने एन चंद्रशेखरन को फिर से पांच साल के लिए टाटा संस का चेयरमैन बना दिया है। वे 2017 में पहली बार चेयरमैन बने थे। अब 2022 तक इस पद पर रहेंगे। चंद्रशेखरन के कार्यकाल में टाटा ग्रुप ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। रेवेन्यू से लेकर फायदा और मार्केट कैप से लेकर शेयर्स के रिटर्न की तुलना करें तो हर मोर्चे पर कंपनी ने बेहतरीन काम किया है। बड़ी डील से लेकर घाटे वाली कंपनियों को फायदे में लाने का काम उन्होंने किया है। पिछले 34 सालों से वे ग्रुप में हैं। ट्रेनी से लेकर ग्रुप के टॉप पोस्ट पर वे पहुंचे हैं।

आंकड़े वित्तीय वर्ष 2021 मार्च तक के हैं

टाटा संस के चेयरमैन का पद काफी महत्वपूर्ण है। वह इसलिए क्योंकि वह टाटा ग्रुप की सभी कंपनियों का भी प्रमुख होता है। नटराजन चंद्रशेखरन का जन्म तमिलनाडु में मोहानूर गांव में एक किसान परिवार में हुआ था। वे छह बच्चों में से एक थे। चंद्रशेखरन के पिता एक वकील थे, लेकिन उनके दादा की मौत के बाद उनके पिता को परिवार का खेत देखना पड़ा, जिसमें केला, चावल और गन्ना उगाया जाता था। जब चंद्रशेखरन बच्चे थे, तो वे और उनके भाई रोजाना तीन किलोमीटर पैदल चलकर अपने तमिल मीडियम के सरकारी स्कूल में पढ़ने जाते थे। अपनी सीनियर सेकेंडरी की परीक्षा के लिए, उन्होंने अंग्रेजी मीडियम के स्कूल में दाखिला ले लिया। 10वीं कक्षा को पास करने के बाद, वे आगे पढ़ाई के लिए ञ्जह्द्धष्द्ध4 चले गए। 154 साल पुराने टाटा ग्रुप में चंद्रशेखरन पिछले 34 सालों से हैं। 2017 में उनके टाटा संस के चेयरमैन बनने के बाद से कंपनियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। चाहे बात मार्केट कैप की हो, निवेशकों के मिलने वाले रिटर्न की हो या फिर उनके रेवेन्यू या फायदे की हो,हर मोर्चे पर वे खरे उतरे हैं। चंद्रशेखरन को चंद्रा के नाम से जाना जाता है। वे पहली बार 2017 में टाटा संस के चेयरमैन बने थे और इसी 20 फरवरी को उनके कार्यकाल का अंतिम दिन था। अब उनका कार्यकाल 2027 तक होगा।लीडरशिप के संकट से गुजर रहे ग्रुप को चंद्रा 5 सालों में बेहतरीन प्रदर्शन कर आगे ले गए हैं। 1988 में ढ्ढढ्डरूकोलकाता से स्ड्डकरने के बाद वे ग्रुप में जुड़े थे। पहली बार वे टीसीएस में ट्रेनी के रूप में काम किए। वे इस समूह का चेयरमैन बनने वाले पहले नॉन फैमिली सदस्य थे। 53 साल के चंद्रा 1987 में TCS में गए और 2009 में वे इसके ष्टश्वह्र बने। TCS देश की सबसे बड़ी कंपनी है। चंद्रशेखरन ने कोयम्बटूर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से अप्लायड साइंसेज में क्चस्ष्ड्ड डिग्री ली है। उसके बाद वे घर वापस आ गए और वहां छह महीने रूककर उन्होंने देखा कि वे खेती को पेशे के तौर पर लेकर खुश रहेंगे या नहीं। चार या पांच महीने बीत जाने के बाद, उन्हें इस बात का अहसास हुआ कि वे कृषि क्षेत्र के लिए सही नहीं है और उन्होंने सीए बनने का विचार किया। टाटा ग्रुप के पास कुल 8 लाख कर्मचारी हैं। 1868 में इस ग्रुप को जमशेतजी टाटा ने शुरू किया था। 10 वर्टिकल में 30 कंपनियां हैं जिसमें से 29 शेयर बाजार में लिस्टेड हैं। 100 देशों में इसके कारोबार हैं। टाटा संस सभी कंपनियों की हेड कंपनी है। 2021 में ग्रुप का रेवेन्यू 7.7 लाख करोड़ रुपए रहा जबकि 8 लाख कर्मचारी रहे।

देश का सबसे बड़ा बैंक लोन स्कैम

28 बैंक को 22,842 करोड़ का चूना लगाने वाले आरोपी फरार

देश का सबसे बड़ा बैंकिंग लोन स्कैम के आरोपी स्नढ्डक्रदर्ज होने के बाद फरार हो गए हैं। ष्टक्चढ्ढ ने 28 बैंक से 22,842 करोड़ रुपए को लोन लेने वाली कंपनी,्रक्चत्र शिपयार्ड के बॉस और सीनियर एग्जीक्यूटिव के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया है। लुकआउट सर्कुलर किसी आरोपी को एयरपोर्ट और अन्य तरीकों से देश की सीमा से बाहर जाने से रोकने के लिए जारी किया जाता है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) की शिकायत पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) की तरफ से दर्ज FIR में ABG शिपयार्ड और उसके तत्कालीन अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ऋषि कमलेश अग्रवाल, तत्कालीन कार्यकारी निदेशक संथानम मुथास्वामी, निदेशकों- अश्विनी कुमार, सुशील कुमार अग्रवाल और रवि विमल नेवेतिया सहित 8 लोगों के नाम हैं। इनके खिलाफ कथित रूप से आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और आधिकारिक दुरुपयोग जैसे अपराधों के लिए मुकदमा दर्ज किया गया है। बता दें कि ABG शिपयार्ड कंपनी जहाज के निर्माण और मरम्मत का काम करती है। इसके शिपयार्ड गुजरात के दहेज और सूरत में स्थित हैं। FIR के मुताबिक यह घोटाला अप्रैल 2012 से जुलाई 2017 तक का है। इस घोटाले को बैंकिंग फ्रॉड में अब तक का सबसे बड़ा घोटाला कहा जा सकता है, क्योंकि यह नीरव मोदी से भी बड़ा घोटाला है।

98 कंपनियों को डायवर्ट किया गया फंड: CBI सूत्रों के मुताबिक, ABG शिपयार्ड की तरफ से लिया गया लोन आरोपियों ने कम से कम 98 कंपनियों में डायवर्ट किया है। 28 बैंकों के समूह से लिया

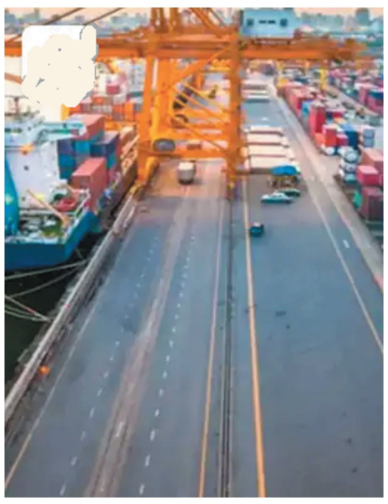

गया यह लोन कंपनी की तरफ से किश्तें नहीं चुकाने के कारण नवंबर, 2013 में NPA घोषित कर दिया गया था। कंपनी को दोबारा संचालित करने के कई प्रयास किए गए, लेकिन कोई भी सफल नहीं रहा है।

मोदी, चौकसी और माल्या के मामले से सबक लेकर जारी किया सर्कुलर

्BG शिपयार्ड मामले में FIR दर्ज होते ही लुकआउट सर्कुलर जारी करने का काम देश में इससे पहले सामने आए हाईप्रोफाइल घोटालों से सबक लेकर किया गया है। बता दें कि पंजाब नेशनल बैंक फ्रॉड के आरोपी नीरव मोदी व उसका मामा मेहुल चौकसी और बंद हो चुकी किंगफिशर एयरलाइंस का बॉस विजय माल्या जांच शुरू होने पर विदेश भाग गए थे। इनके प्रत्यर्पण की कोशिशें फिलहाल चल रही हैं।

सबसे ज्यादा ICICI बैंक के 7,089 करोड़ रुपए

शिकायत के मुताबिक कंपनी के पास ICICI बैंक के 7,089 करोड़ रुपए, IDBI बैंक के 3,634 करोड़ रुपए, SBI को 2,468 करोड़ रुपए, बैंक ऑफ बड़ौदा के 1,614 करोड़ रुपए, पंजाब नेशनल बैंक के 1,244 करोड़, इंडियन ओवरसीज बैंक के 1,228 करोड़ रुपए और LIC को 136 करोड़ रुपए का नुकसान शामिल है।

पैसों से विदेशों में खरीदी गई प्रॉपर्टी

CBI की FIR के मुताबिक फ्रॉड करने वाली दो प्रमुख कंपनियों के नाम ABG शिपयार्ड और ABG इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड हैं। दोनों कंपनियां एक ही ग्रुप की हैं। आरोप है कि बैंकों से फ्रॉड किए गए पैसे को विदेशों में भी भेजा गया और काफी प्रॉपर्टी खरीदी गई। तमाम नियम कानूनों को ताक पर रखकर पैसा एक कंपनी से दूसरी कंपनी में भेजा गया। SBI ने सबसे पहले 8 नवंबर, 2019 को शिकायत दर्ज कराई थी, जिस पर CBI ने 12 मार्च, 2020 को कुछ स्पष्टीकरण मांगा था। बैंक ने उस साल अगस्त में एक नई शिकायत दर्ज कराई। डेढ़ साल से अधिक समय तक जांच करने के बाद, CBI ने 7 फरवरी, 2022 को प्राथमिकी दर्ज करने वाली शिकायत पर कार्रवाई की।

शेयर बाजार : सेंसेक्स 50 पॉइंट्स गिर कर 58058 पर, वेदांत फैशन की लिस्टिंग अच्छी, पर बाद में गिरावट

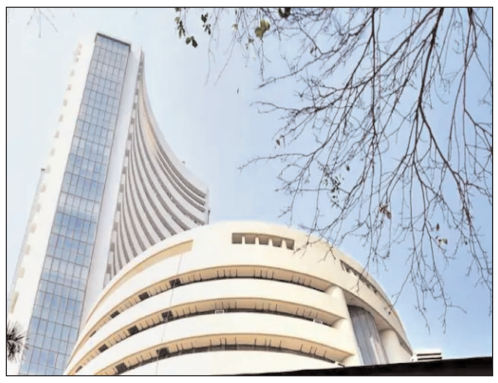

मुंबई। शेयर बाजार की 200 पॉइंट्स की तेजी गंवा चुका है और यह अब 50 अंक की गिरावट के साथ 58,058 पर कारोबार कर रहा है। उधर, वेदांत फैशन के शेयर्स की आज लिस्टिंग हुई। यह 936 रुपए पर लिस्ट हुआ, पर बाद में यह मामूली नीचे चला गया। वेदांत फैशन का इश्यू में भाव 824 से 866 रुपए तय किया गया था। कंपनी फैशन और कपड़ों के कारोबार में है। इसने 954 का ऊपरी और 926 का निचला स्तर बनाया। इसका मार्केट कैप 22 हजार करोड़ रुपए से थोड़ा ज्यादा है।

168 अंक ऊपर खुला था सेंसेक्स

आज सेंसेक्स 168 अंक ऊपर 58,310 पर खुला था। पहले घंटे में इसने 58,467 का ऊपरी और 58,308 का निचला स्तर बनाया। इसके गिरने वाले प्रमुख स्टॉक में अल्ट्राटेक डॉ रेड्?डी, टाटा स्टील, विप्रो, सनफार्मा, SBI हैं। बढ़ने वाले प्रमुख शेयर्स में महिंद्रा एंड महिंद्रा, पावरग्रिड, बजाज फिनसर्व, HDFC बैंक, नेस्ले, ॥ष्टस्नष्ट और बजाज फाइनेंस हैं।

मारुति और एयरटेल भी बढ़त में

इसके अलावा ॥ष्टरु टेक, मारुति, एयरटेल, कोटक बैंक, ITC, NTPC, इंडसइंड बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान यूनिलीवर और ञ्जष्टस् भी मामूली बढ़त के साथ कारोबार कर रहे हैं। एक्सिस बैंक, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, टाइटन और एशियन पेंट्स के शेयर्स भी तेजी में हैं।

144 शेयर लोअर सर्किट में

सेंसेक्स के 144 शेयर्स लोअर और 162 अपर सर्किट में हैं। इसका मतलब एक दिन में इनकी कीमत में एक तय सीमा से ज्यादा की न तो बढ़त हो सकती है न गिरावट हो सकती है। लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 263.30 लाख करोड़ रुपए है। कल यह 261.87 लाख करोड़ रुपए था। लिस्टेड कंपनियों में 1945 के शेयर्स बढ़त में और 475 गिरावट में हैं। उधर, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 13 पॉइंट्स नीचे 17,338 पर कारोबार कर रहा है। यह 17,408 पर खुला था और 17,367 का निचला तथा 17,450 का ऊपरी स्तर बनाया। इसके नेक्स्ट 50, निफ्टी मिडकैप, बैंक और फाइनेंशियल इंडेक्स तेजी में हैं।

18 शेयर्स गिरावट में

निफ्टी के 50 शेयर्स में से 32 बढ़त में और 18 गिरावट में हैं। गिरने वाले प्रमुख स्टॉक में विप्रो, डॉ. रेड्डी, इंफोसिस और लार्सन एंड टुब्रो हैं। बढ़ने वालों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम, HDFC लाइफ और कोल इंडिया हैं। इससे पहले कल बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 1,736 अंक (3.08त्न) बढ़कर 58,142 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 509 पॉइंट्स (3.08त्न) बढ़त के साथ 17,352 पर बंद हुआ।

हिस्सेदारी बेचना होगा: LIC के पास एक विकल्प- या IDBI से निकले या फिर LIC हाउसिंग फाइनेंस से

मुंबई। सबसे बड़ा आईपीओ लेकर आ रही स्रढ्ढष्ट के लिए एक और दिक्कत आ गई है। उसे अब या तो IDBI बैंक से निकलना होगा या फिर LIC हाउसिंग फाइनेंस से हटना होगा। उसे रिजर्व बैंक के नियमों के तहत ऐसा करना होगा। हालांकि अभी LIC पर ऐसा कोई दबाव नहीं है, क्योंकि सरकार IDBI बैंक की हिस्सेदारी बेचने के लिए रणनीतिक निवेशकों की तलाश में है। मार्च 2019 में रिजर्व बैंक ने LIC को IDBI में हिस्सा खरीदने के लिए मंजूरी दी थी। इसमें कहा गया था कि मंजूरी के बाद पांच सालों के भीतर इन दोनों में से

एक कंपनी में से उसे निकलना होगा। इस तरह से मार्च 2024 के पहले LIC को यह काम करना होगा, क्योंकि तभी तक इसके लिए मंजूरी है। हालांकि इसके लिए निगम के पास अभी 2 साल से ज्यादा का समय है। ऐसे में यह काम उसके लिए आसान है। रिजर्व बैंक के नियमों के मुताबिक, कोई बीमा कंपनी किसी दो हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों में एक साथ नहीं रह सकती है। LIC हाउसिंग फाइनेंस इसकी खुद की पुरानी कंपनी है जो घरों के लिए लोन देती है। जबकि IDBI बैंक जब दिक्कत में आया तो सरकार ने उसे बचाने के लिए LIC को जिम्मेदारी सौंप दी। यह बैंक भी घरों के लिए लोन देता है। IDBI बैंक में LIC ने जनवरी 2019 में 51% हिस्सेदारी ली थी जो इस समय 49.24% है। उसने सरकार से 87.75 करोड़ शेयर्स खरीदा था। 23 अक्टूबर 2019 को LIC ने फिर से 4,743 करोड़ रुपए डाला। LIC को इससे पहले म्यूचुअल फंड में भी इसी तरह का दिक्कत का सामना करना पड़ा था। क्योंकि उसका खुद का म्यूचुअल फंड है और IDBI बैंक लेने के बाद उसका भी म्यूचुअल फंड बिजनेस इसके पास आ गया।

आवश्यकता

युवा प्रदेश नेटवर्क

मध्यप्रदेश के सभी जिले व तहसीलों में संवाददाता नियुक्त किये जाने है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।

युवा प्रदेश नेटवर्क,
प्रधान संपादक-नागेश नरवरिया
मो.- 9425156055-9755364204

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)